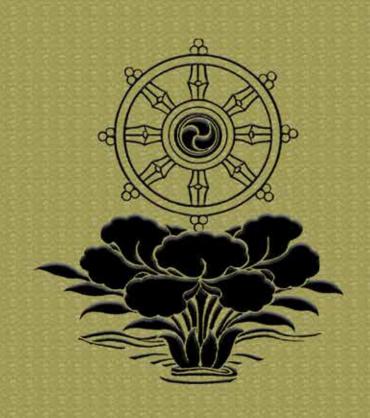


र् नश्रम'नशुमा



নন্দ্ৰ'শ্ৰন্ধ শ্ৰহ্মশ্ৰম শ্ৰন্থ নিৰ্দ্ৰ শ্ৰণ্ডিশ্ৰণ শ্ৰন্থ শ্ৰণ



त्र मृत्याय श्रुत्र विद्र श्रूत्र विद्र श्रूत्र विद्र श्रूत्र विद्र विद्र श्रूत्र विद्र विद्र श्रूत्र विद्र विद्र श्रूत्र विद्र विद्र श्रूत्र विद्र विद्र श्रूत्र विद्र विद्र

शेर-श्रूप-प्रय-प्रह्य-प्रग्नुप्रश्नावर्शेष्ठ-त्रयशःग्रीश

२०० । निर्नेष प्राप्ति श्राह्म स्थाप्त स्थाप्त । प्राप्त स्थापा

र्क्षेत्रप्रदेश्व विष्ठा प्रति

म् निर्मित्ति अ.ध.र.त्मे न्यात्रक्षात्री । मिर्मित्रम् मिर्मित्रक्षात्रम् निर्मित्रम् मिर्मित्रम् निर्मित्रम् निरमित्रम् निरमित्रम् निरमित्रम् निरमित्रम् निरमित्रम् निरमित्यम् निरमित्रम् निरमित्

र्त्ता स्थान के स्था

न्रॅशसॅं न्दर्देशसं शेन्यते रॅसे हेन स्थायन्य साने र्से सं हिन्यो न्याय हो स् सं हिन्यो न्याय हो न्याय हो हिन्यो न्याय हो हो स्थाय हो न्याय हो हो स्थाय हो न्याय हो हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो हो स्थाय हो हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो हो स्थाय हो हो स्थाय हो स्थाय हो हो स्थाय हो हो स्थाय हो हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो हो स्थाय हो हो स्थाय हो हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो स्थाय हो हो स्थाय हो स

त्वाचित्राचे क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र

निवतः नुः श्रेवः सं त्यः श्रेषा श्रायदे दे दे निवतः नुः सुरायः हे त्युः नः ने निवतः नुः इसायरः वह्याक्षेरेतुत्रक्षेत्रत्यावायायाक्षेत्रह्य । विया ग्राचार्याके स्वर्धेत्रकायका गशुसाग्री:रदानिवाग्री:देवाधिवायवे:ग्रीरार्दे । ।रवातुःग्रीदायवदेःवेः न्वें राया सेन्य रेष्ट्रिया व स्याय राष्ट्राया साधिव हो। सुर्ये वा वी से यह वा यन्दर्दिः स्रुसः नुः नेवासः सदेः वाह्रमः क्षेत्रासः साम्रुनः संदेः धेरा नदेवरमणिकेशःहेरक्षानानिवर्त्ताविदर्त्ताख्र्त्रास्य ग्रानिवर्धेरावेशः नुन् र्रेसिन्। देन्ध्रन्ननिवने वेसानुनिवेस के माने। मानवन्त्रमा मीसाग्रद नदेव'य'गिहेर्याह्मस्य स्मान्त्रे नाम्रह्म स्मिन् स्मिन् देवे प्यतान्य स्मिन र्वे विश्वासम्भवानियः भित्रामे । विश्वेषानि विश्व मित्रामे विष्यानि विश्व विश् धेर वेजाश नेजा हु सा ह्री सा दे हिर जहूर नहें सा इस सा उर दा यशयाने द्वी शराने द्वी या स्वर्षे या स्वर्षे द्वी स्वर्ष स्वर्ष र्वेग्रस्था स्थानि स्वर्धन स्थानि स्वर्धन स्थानि स्वर्धन स्थानि स नमून् नर्रे साया गुः नदे प्यन् यमा साधिन मदे श्री मर्मे मन् मार्शे नदे नश्रुव नर्डे अ हे 'क्षु' न 'हे 'न बिव 'हु। हर्वे अ स महर ख़्व स महर धेव स हे ' नह्रमानरा मुद्री रवा तुः हो दाया पर्दी प्यारा दर्शी मा पर्दा प्रमुद्रा साधी वार्दे । न्मेर्न्याम्बर्ग्नर्थः नसून्वर्ग्वर्ष्यायः है स्थानाने निवन्तुः प्रतेषायान्दासूनः यःवादःधेवःयःदेःहेवाःयःश्वःदःवाहेदःवःह्यशःग्रेशःवाह्यदःवदःग्रःश्वे र्यापुः होत्रायदी प्यरायहोत्यायात्रायहरायहराया प्येताहे। हिंगाया हें वाता हें वाता हें वाता हैं वाता हैं वाता है गिर्हेर्-नवे श्ले : में नदेव मागिरेश विंद्र दुः कुत् मरा ग्रु नवे : भ्रेर देश का ग्रु न र्ट्या के स्वार्धित हैं से स्वार्धित हैं से स्वार्धित स

धेरा गल्वस्त्रस्यराष्ट्रः श्रेंराग्यरः हे 'दर्गे सः लेसः ग्रुंसः श्रें । प्रदेवः सः मित्रसः स्वार्धः स्वर्धः स्वार्धः स्वरं स

त्रित्ता व्यान्ता भारत्ये व्यान्ते स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्

क्ष्र-श्रूद-न-वर्दे वित्व लेश ग्रु-न-नश्रूव-म-ने देग्राश-म-हे क्ष्र-न-नलेव-र् याधिवार्वे वियानसूर्वापवे धिरार्वे ।गुर्वार्हे वार्स्वे याप्तरहे नागीः नदेव'स'क्रे'क्कें ना'म'सार्विद'व्याद्युद्र'नवे भेत्रे द्युद्र'नवे भेत्रे न्यात्र स्थात्र विकास्य स्थात्र स्थात वै। हे सूर सूर न त्या वावव पर्वे। दिवे हिर विर विर विर विर विष्ठ र विष नविव हिन्दे दिव न्यायदे ननेव यदे विश ह्रिव है। वि विश शुन दे नहूव यदे देव है। यावव विं व वे या ग्रायय के या के या विं व वे या ग्राय प्रमुव धर गुर्दे । यदे क्याधर द्र्येय प्रते श्रेर हे सूर गयर हे से लेया गुरा र्श्वेराने। नायरहेर्सेर्श्वेरायने हें या ग्रुटानवे वहेगाहेता सूतायवे श्रीरा र्रे ।श्रेमश्राराश्चेश्राराश्चेश्चित्राचित्राच्यास्यश्यान्त्रास्थे। हेरक्ष्रात्रानाः सर्वेट्यानुस्यायासँग्राम्यदेत्त्रस्यायान्द्रस्य सुत्राय्यान्याधेत्रहे वेश ग्रुप्त ख्रूपा सासे। दे प्रविव प्रुप्त हैं प्राप्त मुस्य सामा स्वीव स्वाप्त स्वीव स्वाप्त स्वीव स्वाप्त स्व यम् इस्रायम् यावस्य ग्री में विष्ठम् द्वीत्र स्थित हो। नेवास्यस्य मुस्य तुस्रायर्भे रुट्टे वेश गुनि वेश केंगा में । दे व्हर्म सर्वेट न न वेद रुद्द स यर ग्रम्भार में भ्राप्त ने मा अर्वेद न दर अ श्रम्भ दिन देश यरप्रदेशमधे भेरारे लेश ग्राम श्रें रात्रे। देवे भ्रेरप्रदेश ने ग्रेराय प्रा यविष्यः सः न्वाः तुष्यः सः वः श्रीवाषाः सः वानः वः श्रीः यश्वनः सः ने वे । प्यनः न्वाः सदेः ग्वाहर्मिता ग्री निर्देश साधिव हैं विशान सूत्र समायग्री स्थी । सर्वेद निर्देश ममिष्ठेशके वेश मुन्य स्मिश्य स्था है। यह द्वा मह दर्या सह धेव पाया श्रें वाश्वापित हो ज्ञवा वी रहं वा है दा ही शा त्र हें वा ही प्रदेश स वस्यापरावस्वार्ते । विविधाग्रावदेः स्वितायस्व पदेः देवार्ते विधाग्रावः विश्वार्यः विधाग्रावः

इति स्वित्तः तेवा श्वास्य वित्तः त्वास्य विश्व स्वाद्य वित्तः विश्व स्वाद्य स

श्चान्यस्थात्र विश्वान्त विश्वान विश्

वनेशमान्वायायम्भविन्वायान्दिन्यान्दिन्यान्यायस्यस्य नियासम्भी ग्रुष्ट्री र्पायार्थे ग्राया के ग्रावेर् साम्यास्थी साम्यास्थी । यदे ध्रिम्देशमञ्जीन प्रदेश ने शायव्या ने शायविया वदे देवा विदायम्या यात्युम् देश्वेद्धस्यर्वेदानित्रेत्यीत्रायार्थेवायायदेत्वयायीया बे त्यः श्रीम् श्राप्तिः देवः श्रुवः व दे त्युः व वे त्यदे दः प्राप्ति व त्यदे हि सः दे ते श्रापः बेद्दी वदी सूर्वे त्या श्रीम् श्राम् बेद्दा या विद्दारा महित्य सुनाय दे विद्वाद्वा यन्दरस्र मुक्र सर्वे भ्रित्र दिवन्य संदेत स्वे क्र स्व क्र स्वे क्र स्व क्र स्व क्र स्व क्र स्व क्र स्व क्र स र्देव:द्रअ:य:वे:हेंग्।यवे:द्र:व:अ:खुश:य:ह्रअ:यर:ग्रेंद्:यवे:अळव:केद: धेव परे भेर में । केवा मे तुर गुरु पर यस वे ग्वा व हैं न हे स न हैं द पर स क्षेत्राचार्यार्वेदात्रयाद्युदानवे भ्रीत्रे स्टेश्वेया ग्रुपार्थे । विष्या हे स्टेश्वेया मशर्द्रान्यसाधिककहिष्ट्रम्यनेवासावेशात्वावेषा हैष्ट्रमञ्चरायानेष्ठेता ननेवा विश्वानः श्रेंशःश्री।

न्दे क्या ग्रम्या यो वा प्रति देव न्या पा ग्रम्य यो वा प्रति । दे व्या सूर नवे निर्मेश में मही। इसायम पात्र या माने से मुन हो। वियाय वे निर्मेश में वस्रश्चित्व । हि.क्षेत्र.येत्र.लर.बैट.सु.एक्येत्र । विश्व.ये.सुंश्वायाः नेशमंदेन्द्रसम्बन्धराउद्देश नियमंदेन्वद्याकेद्वर्यस्य उद्देश । वस्रयान्तर्भेयान्तरे वस्रयान्तरा वस्रयान्तरा वस्रयान्तरास्र धीव'रा'नश्च'नदे'द्वीर'हे। ने'क्षर'व'र्ज्या'रार'नश्चर्वे । याठेया'रु'व'वयया उद्रश्चिंश्यायं ते अवतः द्या मी देव हे हो ज्या मी किया सूद परिं । यद लेश गुनिते क्षुने वस्र राज्य सित्र मार्थ का सित्र प्रति । विकास के प्रति स र्रे वस्य राउट या हि सु तुरायर से सूर वशुरा विया गु न वरे सुर दर श्चरावराग्चात्रविर्वा देकिराग्ची स्थित्र अर्दे श्वेष्य अपने अप्तान्त्र श्वेषा विष्य विष्य श्वेषा विष्य विष्य व या हुदि। । अर्वेदाया सेदाया वेसा हुए वेसेदाय स्प्रमाया या धेवार्वे। । हेवा केरावर्रेयानरावर्द्धाराना बुरानान्दावहें दायान्दार्ययानार्थे श्रीर्माना वीशा रेगा सदे ने रास दे प्लॅर्स मिंद पीद हो। यगद पर सर्वे र न से र सदे

देश्वराणित्वतिश्वान्तविश्व विश्व वि

यदे श्चें राम दे साधिव है। माय हे धिव व दे दे दे के ले साम मावव मविव र्दे विश्वानु निषे दे निर्मुन सरानु न दिस् । स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स ग्री नेश रा मान्व दे निर्मा नेश रा हिन्दी । विर्म स्ट्री र न हे विर्म स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री धेव हो गर पर पर श्रूर प्रश्र हैं र पर हैं पर है । विश्व हो पर पर हैं निसामान्त्राभी सामान्त्रासी निसामान्त्रासी निसामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्र नश्चन'यर'गु'न'हेर'र्'नहेर्'यर'वर्रेर'यवे केशय हे ररासूर'न अ सेंद राधिवार्वे । मानवार्क्षम्यायदी सामुनाया धरासाधिवाने। देवे श्रीय रदा बूद्राचरावराक्षाक्षे त्येवावावी वाद्याप्य वयाचरावस्य स्त्री क्रिं देवाचे द्वाप्य देवा स्त्री व्याप्य स्त्री व्याप्य स्त्री स्त्र नेयायानविवार्वे वियान्यायार्श्वयाने। देवि विदेश्वर्मात्र्रिवार्ये ५८। देरःश्वरः वर्श्वर्यः वेश्वर्यः वेश्वर्यः देशः वर्षः वेर्यः वेर्यः वेर्यः वेर्यः वेर्यः वेर्यः वेर्यः वेर्यः र्श्वेदार्धेराश्वरावासाधिवासाने विवेदात्। विसासान्दाविसासवे विद्यारितः

बेशन्त्रः त्रः त्रः त्रेष्ण्यः श्री । ते दिवे धेरः वे त्रः त्रः विष्णः त्रः धेरः दे । ते श्रुः व दे के श्राः व भू व दे के श्राः वस्र शं उत् ग्राः वस्र शं उत् दे त्राः शं दे त्र व्यू दः हे। के शः श यादः प्यदः दे स्था दे दे प्यदः से के शः सं से दः दे ते दे ते दे ते दे ते हो ।

गया हे र्श्वास नियाय है से मार्स नियाय दे में गाय दे में हि मारा धेवर्त्वे वे वा रेगा मदे रे केंद्र धेवर मदे हिर हो रहे। ध्रय हिर व वेश ग्रुप्तवे द्वाराय प्रमुखे के प्राया के प्रमुखे के प्रमुखे हैं। र्वे धिव प्रमा निवासिया हे भाग्नानिया में विश्वी मानु । देवे श्वी मानु । देवे श्वी मानु । देवे श्वी मानु । उटा बया वर से विशुर रें लेखा दे प्यट से रुट से हो से से वास से लेस ग्रानाभूगामर्वे । डिदेरिश्चेरालेखा हेरनदेर्गु स्मेरामदेरिश्चरर्ने । देखेरदिः अन्त्रादि के स्टार्स्या राषे में में प्रीत की। यह यात्र में या राषे में में के सा धेव कें बियायरे या हे नवे कु के बिया थें न ने या न मीया व ने अनु के या हु वेशानुःनरःनभूवःधरःवशुरःर्रे ।देःष्टुःसधिवःहे। हेःनदेःकुःसेदःधरः लिव'व'वे'न्'ठर'म्यानर'म्'याने'हेर्'र्युर'र्रे । हि'मे कु'र्लेर'याकु' ने प्यर ने वे इस रायशायविव साधिव व वे । ने प्श्र व प्यर सर सूर वर पिश्राचेत्रात्रात्री मान्त्राप्तरात्र प्रमानेत्रा हैता है ।

भे द्रिरं श्रे श्वे त्वह्य बेंद्र प्रियं श्रे में स्था वे भा चा त्व भा दे त्व में भू द्रा वि वा वा वा त्व के स्वा के स्व के स्वा के स्वा के स्वा के स्वा के स्व के

वशुर्यं निवेश्वेर रें विश्वा ग्राम्य व्यव यहन विवाही विश्वा ग्राम सम्बर्ध धीव वि । इ से रूट रेग राये रें वे रें वे रूट में कु त्यम से मार्थिव वे वेत्रा वित्रंशनेषापरस्मित्रवासिर्दिर्भिष्वस्मित्रेर्धेत्रस्मित्र नर्से त्युर्रे लेव प्याप्ते सुरक्षे हे नदे कु से र्पे हिर्मे । रेक् য়৻ড়য়৻য়৻ঽ৻য়য়৻য়ড়ৢ৾ঀ৻ঀয়ৣয়ৼ৾ৼ৻ঀয়৻য়ৢ৻য়য়৻য়য়৻য়ঢ়য়৻য়য়ঢ়ঢ় इस्रायान्वराते से श्रेन दें। विवे से स्थान से से प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन से से स्थान से से स्थान स वर्रे के निर्मार्थमा संभित्र ही वर्षे मान्तर रेगा सके साधित हैं निर्मा हा नारे वृत्विदेर्देर्निकृत्रेवान्वेयायदेरवार्षेत्र्येत्र्येष् र्शे वि वा वाय हे हे सूर न धर न से र स्था यह से न न वा वी य न न वा है वा राधित ही। गावत रेगा पाते साधित हैं विशाने क्षर इसायर वहेंगाता है अन् नहें न्यर हा नन्यारेयाययेयाय सर्यात्यायया धेतरहे। नेदे हिर बेर्पिते हिराने विका हारा क्षेत्रा विद्या सेर्पित है से हार वर्त्वरायाक्षे देवायायम् वर्हेन्यये द्वेम्ये अस्य स्वास्य विदास्यया वे वे या तु पार्थ से पार्थ पार्थ या से स्वर्थ से समुद्राय वे या तु य गर्वराख्यकात्रान्दरायादायायावकारात्रसम्बार्का । स्टानी खुवानहेंदाया वे र्राया मुन्य राष्ट्रिय वर्ष राष्ट्री । इस्य रासे द्राय हु राष्ट्रीय विश्व मुन्य रा र्शेग्रथायाने प्रदेश श्रेत्र श्रुवायां । दे भ्रदानम्यायाने यानु याने स्वेयाया

त्रेष्ठेषे स्रोत्तां क्षेत्र त्र स्वाप्तां स्रोत्ते स्वाप्तां विद्यात्र संविद्यात्र स्वाप्त संविद्यात्र संविद्य संविद्यात्र संविद्य संविद्यात्र संविद्य संवद्यात्र संविद्य संविद्य संवद्यात्य संविद्य संविद्य संविद्य संविद्य संवद्य संविद्य संवद्य संवद्य संवद्य संवद्य संवद

श्रुँ अप्ते । स्टान्नेवामाश्चीनेवाश्चानेवाश्च

ने हिन् श्री स्थान स्था

त्रेन्यते सळन् छेन्ने । अस्य हिना हेन छो पहुना सं लेश हाते सळन् छेन् हुन स्थाने स्थाने स्थाने हिना हिना होने स्थाने स्थाने हिना स्थाने स्थाने

वे गुव हें न ग्रे निव प्य प्येव के लिया न सूव पा प्येव के विश्व प्र प्येव के विश्व प्र प्य <u> ५८: नेश ग्रुप्ट्या पदेश अळव के ५५ ग्रुव हैं न ग्री नदेव पा थेव वा ग्रुप्य </u> यः श्रें न्यायः प्रदार पर्दे । प्रायः श्रें न्यायः श्रे स्या ग्रे । ध्रुयः ध्रे द्रायः ग्रुरः यः षदा गरमीयग्र्वाहें वाग्री विदेश के दिन्दी से विद्या से विद्या के व यर होत हे अरे अत्राम्य प्रमुदाय प्येद हो। दे दे दे प्रमुक्त हैं वा अप यर होते। यार वी भी हिंदा में हिंदा मार हो दार वि स्था सकत हिंदा वि स्था सुन हो से स्था स्था से स्था से स्था से स्था से स धेव'व'बेश' ग्रु'न'वे' ग्रुव' हैं न'ग्री'ननेव'म' धेव'मर'मिश' धेव'व'वे' बेश ग्रु' नःस्वाःसर्वे । धिःगोः कुःनः धरःसेनः वेशः वाशुरशः सरः वशुरः श्री सेसरावेराम्सुटानरासे विद्युरार्रे वेरानु नाते सेसराकु नासे दाया वे से गुरमे गरमे भेर से सम कु न गुव हैं न ग्रे न ने व म जि सम प्रम यास्त्रस्यायवे ध्रिम्मे । वित्वलेया ग्रामा के स्रायम् प्रति स्रायम् र्देन ग्री निव निव स्था भीव सम् इस सम् माठन सदे श्रीम मिया हे हैं भूत गश्रम्यामदे में देया उदाने गहिया थे पर्देन दे दे ये यया कुना प्या सेन वा धेर्मा इस्राव्धः र्रेस्या ग्राम् केर्निया वेस्रा ग्राम्य मेर्ग रेया हेरे हिरायह्र हे या हु न या है हिंदा न सूत हैं।

र्वी मिश्र में निर्मा के स्था के स्था

हेर्ने । डे.वर्न्य विवारे वा वें रिस्सार्य वें साम्यान कें साम उदालेशानुनि देशेयशानुनि नि हिन्यमाने यदे भ्रिम्भे । भ्रिष्ट्रियं दे दे दे स्वाप्त में मार्ग मार ग्रुनाः अवा अवी । वावाने वर्षे प्रमान स्वा माना वि स्व वर्षे । वावाने वर्षे प्रमान स्वा वर्षे । वावाने वर्षे प त्रःवदेःवें देशःरुटःवरःदशुरःरी ।<u>ह</u>िंदःधरःत्रेदःधतेःगुवःहेंवःशेःवदेवः मक्रिन्ते। ने गुवावकार्स्रेन्य धेवायका इसायम हिंगा प्रदे के काया धन हैं। इयायर भे हिंगा यदे ले याया दे ते गुव हें न ग्री नदेव या या धेव या वि व धेव मश्रा देश खें दश शुः वा उद सदे सदे न वा सं वा शास गुव हैं न ग्री वर्वन्यराहे सूरावश्रूराहे। दे सूरावाश्रेश्रया कुर्वा से द्वारा विश्वाता वर्देरः इस्राधरः हेंगा धवेः नेसाधार्वे साधिता खेटसासु गा बुटारें विसाव कु विगा याने अन् वेरान् देरान्या इयायर हैं वायवे लेयाय हैन धेवायर पेर्य शुःगाबुद्दादी श्रेसशःकुःनःषदःसेद्दातेशःवुःनःवदेन इसःसरःहिंगः मः कुःनः पटा सेदः देवे सः विद्यान्य स्वयुरः हे विसः ग्रुः नः र्रे सः स्व

र्श्वेराश्चा

वेश ग्रुप्तरे सुरमहें सामर ग्रेन्य स्वाप्त के प्यर सेन्द्री । श्रेन्द वेश ग्रुप र्कुरम्भक्षयाद्वयम्द्रिनामदेन्वेयामदे हेयासुप्रवारम्भक्षेत्रहे। ने न्या श्रुवाराया नवया त्रा थे यो इस्र एष्ट्र ह्यू रागुर हे न्ये रावे राने अन्यश्रम्भार्भाविता रम्यो सक्विति हैन्ति हैन्यम् हेन्या धेवायि धेरदे विग्रायायवगावराईदायारुटायापित्याधेवार्वे वेराग्रायार्श्वरा श्री । धिःमो इसमा क्रु न ने हिंदा पर हो दाय धिन परि हो रे ने ने ने रे रे रहा मी सळक्छेन्'यार्थेन्'रासाधीक्'रामिं'क्रें। ।ने'स्वके वे'यने'ग्रास्यास्याचे' विगाः तुः वर्गुरः स्रुसः तुः सेससः स्रिं। हि स्रे प्यटः है स्रूरः गुरः गुरः थे गो स्ससः ने भूत प्या ने देव देवा सार्वे दासर पी वो इससा भू र्रे साग्र र हे द्वे सा विश्वान्तार्देषा हुन्य हिन्य विद्या विद्या श्रेस्य कुन्य प्या सेन्द्र विश्वा त्राचाने प्रत्यामा केना केना केना हैं। विषेत्र क्षेत्र प्रत्यामा प्रत्यामा केना हेंना केना केना केना केना केना धर हो त्र या श्रु वे रहे अ शु व्यत्यो हिंत या वहार वा धेव यवे श्रु र रें वि या हा नः र्रें राश्री दिवे भ्री माहिरान है नाम स्थापन महिराना षर:नगदःसुत्यःहैं।

देवे भ्री स्वाप्त महाना वर्षे । वर्षे

दन्यानि निर्मे नियान्य निर्मे स्थानि निर्मे स्थानि स्थानि

ने भू त ते वस्र र उत्तर्द्ध स्थि ते र तु र ते सह र से ले र तु न र र बक्षिणाक्षे ने वे नह सन् पर क्षेत्। । ने क्षर व नर्रे अ में उ अ न्य स्वतः यर होत्रयदे दर उद ही से समा ही हे मा सु वह या या है त्यर होत्या है। वैरमधीवाते। नेदेश्चिरामहैशान्हेरामरेम्याने। मारान्द्रिंशार्राज्या ५८.अ.बुव.सर.चेर.सदे.८८.७व.चे.श्रेअश्र.श.५६वा.स.रेरा इस.सर. हैंगायाधराधीयह्यायावित्रक्षेप्रेयास्यातृष्टीयियेष्टिस्रें । दिष्ट्रवाह्य यम्हिंगायवे हे शाशुप्दह्याय हिंदायम् होदायवे छे हे वया मेदाय वितः लेव.राय.लर.खेय.चे.यपु.सै.लर.पक्ष्य.रा.धेर.ट्री रि.केर.चैर.व. वा बुवारा त्या श्रीवारा प्राप्ता वित्राया श्रीवारा प्राप्ता स्वारी वित्रा वित्रा वित्रा वित्रा वित्रा वित्रा वि राधिव कें। थि वे दे सूराधिव वा गय हे वि के गाय दे सूर द्वा ब्वा राय र्शेम्बर्भान्द्रा वदे वायास्मित्रास्त्री स्टामिक्षाम्बर्भानाद्रा धेव भने द्वा वे देव र्शे र्शे र देश भने इस भने के वा मी र देवा भारा साधेव

है। दे द्वा वे द्वा वी खरा खरा खरा सरा गुर हैं व की वदे व सारा धेव हे। देवाश्रुदामदम्बारमध्येदायवे ध्रियाहे। वदे सूरासर्वे वसादे व गुर्नाह्मेन क्षे नित्र नित्र वित्र वित्र वित्र क्षेत्र क्षेत्र चित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र ८८: अ८: ८८: यह वस्त्र या हे से ८: या पा में विश्वा स्वार्थ हो राहे । वरे या के ना नी रें व के ना ना राये परें परें वे कु या रा नु पर रें व अः वावाकाः सदेः इसः सः वाकायः वरः ग्रुः नदेः भ्रुरः रे वाहे कः नदः सञ्जदानरः होत्रयानम् नेयायाम्ययाची पो नित्य क्षेत्रात्र त्यायर्रे से त्रायहेया राधरारुदाक्षे। वर्हेरायराग्चायार्दायरुगायार्वे ग्रावाहेराग्ची वर्देवाया वेशमाशुरश्रश्री । देप्पादेप्रेप्पवेदप्रश्रीते क्यायप्रदेशयायाधेदाहे। देवे भ्रीमार्हेन प्रमानेन देवा देवान्यायायायायायायायाया नेता है। 到

ते न्याने त्रें न्याने त्रान्याने न्याने स्थाने स्

मशा निह्न प्रमानु ना साधित प्रमानिक स्वाप्त मानिक प्रमानिक स्वाप्त मानिक स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप गिहेशःग्रीशः अविदायं हेट्दिः अग्युवः यार्विः दः धेदः हे क्विंश्यशः केंगाः वि शेस्रशर्भे द्राध्याहे से द्रापादे ते गुन हे ना ग्री नदेन पासे। देन द्रापादे नदेव'स'अ'धेव'सर्दे'वेश'ग्रु'नदे'श्रक्षेग्र'में वे'वा इस'सर'द्ग्र'सदर' मः अधिवः मार्वि वर्दे विश्वानश्वश्रश्य । विदे श्विमः वे वा नेदे श्विमः श्रेश्रशः र्श्वेराध्ययः राष्ट्राचेरायेरा वेश र्श्वेराश्चेरा यह वा कि देश राष्ट्री स्थान स्था विद्या कि राष्ट्री स्थान स्था विद्या कि राष्ट्री स्थान स्था विद्या कि राष्ट्री स्थान रेगायाधेवायदेधेम् वेयाग्रायाञ्चरा । गायाने ने वे ग्रेन्यान्यायया न्दानुनदेर्देर्भ्यान्याकेन्द्रेयायाने साधिन कें लेखा यायाने दे सून वे ने अप्यदे दें वें रावशुर दें। । वाया हे देवा यदे दें वें हे दाये वाय दे हे रा ने ख़ासाधीत तें विता दें तते ने ने ने स्मार्थ वस्तर के ने ना समाय वित्र में । वर्दे ने निमा हेर रेगा सदे रें ने हर धेर हें ने श हार है। से सस ग्रे श्रें न् खुव्य धेव मश्र ने गुव हैं व ग्रे विदेव मि है न् न् विश्व व्यवस्था स्थाने वियायावयाये ।ग्रां हैयायायेयायमहें याश्रायवे हैं उदान्यायाम्याहा न्द्ये न्या व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्व दरायर द्याया साधिव सदे हो ज्या वी शाह्य सामा विकार है। दे त्या वहवा शा यदेर्देवर्ग्रेशन्वेवर्ग्यूर्या । न्देशस्यानहेवरवश्वारः भ्रेशने। । यदः द्याग्वरहें व लेख सम् हा वेष हा व त्य से वाष सं हें य से विस्वाय स वेशन्त्रः नदेः क्षुः न्दः र्रेशन्ते नाद्रश्यायः श्रेन्यश्यः धेंद्रश्यः शुः ना बुदः दे।

विवासमाने भ्रेमान्दि विद्यास्य विवासमान्य वि धरावेश ग्रुपादी रेपरेप्टरायर श्रुप्तरी । दिस्थारी उंश हेट ग्रीपाद्व कैंग्राया के 'देव हो न क्या पा हो। विने प्या है हिन सूर सूर न न विव न पी यदःद्याःयःहेःक्षःयःयविवःदुःवेःयःधेवःवे । क्रुःद्रदःक्रेवःक्ययःयःयहेवः वर्षाक्षेत्रायावी है स्ट्रिम् सूराया वेत्रा गुप्तमाय सेत्रे स्त्राया वि स्त्राया वेत्राया स्त्राया वि स्त्राय वि स्त्राया वि स्त्राय वि स्त्राया वि स्त्राया वि स्त्राय श्वनःस्टायाधीवायवे हो । क्रिवाइययादे श्वनःस्टायदे । प्रदेशाशुः न्धन्त्वे क्रेव्यक्षर्या ग्रम् कु हिन्धेव वे । विवे क्रियं क्रियं प्रमानिय यर्देवर्द्देर्भेदरहेशनुर्वर्भेशने। नुस्रायार्थेवासायानेसाया सूदर न-दे-वे-ल-८-द्रमानिक क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् हिः सूर सूर वे व सत्रव पर वे य तु र र सू य र र वि य र वि य र य र वि य र य र वि य र य र वि य र र वि य र र वि य र र वि य र य र वि य र वि य र य व। वीयायाप्यवाळदाचेयावाचाञ्चेयाहे। याप्यायाद्वययावयाव व्राची व्रिमानियान्य विमान्य विमानियाः विमानियः विमानियः विमानियः विमानियाः विमानियाः विमानियः विमानि नर्रेशःग्रीशःनह्रवःर्येरःग्रुशःसदेःर्ह्वेःन्दःथ्रवःयःनेःन्वाःवःष्यदःहेःक्ष्र्रःग्रीशः रायासूरानाने निवेत्र, नुसारायार्से ग्रामासूराना ग्रामाराधेत्रपाने दे प्यरा न्वायंत्रे गुर्हे न ग्री निर्देश विश्व न हुन ग्रीशः र्र्स्सि नित्रम्था सदी द्वारा स्था श्वरानित द्वारा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा यदे'ग्वाहर्मिन'ग्री'नदेव'य'वेशन्तु'नर'नसूव'यर'दशूर'र्से ।हे'सून्तर' बूट वे व कु यश वेश राज्य र र्रेश है। ये वा या से वा सारा से वा सारा यस

वेश गुःनदे च के वा से। वेवा राय वे स्था रादे नवा कवाश पे रश शु र्रेत रायमाम्या नमून नर्जे मायमा गुरान है। मायमा मार्गे विदेशके कुरे क्रेंत्र भ्रीय वा बुवाय वा स्वायाय स्वायाय के वा वा के वा वा विद्या में विद्या के व ननेवरमधीवर्षी। र्वेतर्मामनेयनेवरमनेवरमं वेरमधीवर्वे वेरमने स्वित्रमः होन्ने । इति दीर्प्यने प्यरन्या यदे ग्राव हैं य ग्री यने व य वे य ग्रावे व नेयायायासूरावाद्रासम्बद्धारायाद्रस्यायायायात्रीयात्र्यात्राच्या र्श्वेरार्थे। । पायाने ने सूर्य पार न्या पर भी नाया स्वारा पार है या षर:द्या:य:य:गुद:हॅर्च:ग्री:वदेद:यर:श्रे:व्यूर:रश्र:बे:द्या षर:द्या:यर: भ्रे नायार्थे नायायाते से सूरासे लेया नायाते से सूरा नि स्रमः र्र्भे निर्मायाया से स्राचित्र में स्राचित्र में स्राचित्र में स्राचित्र में स्राचित्र में स्राचित्र में नहेत्रत्रार्श्वी निर्मायायनय विमा तुः वन् निर्मा विष्य वुः नार्श्वे यार्थे । विष्य नुवर:रुर:वेश:नु:वःवे:र्वेग:सःसेर:पवे:रुश:वशःवेग:यर:पॅरशःसु: नहगरायदे नगर मेरा है। दे ने मेर दे । दे मेर साथ न न ने प्याप्त न न धरःश्चे नायाः श्रेवाश्वाराश्वरावरा श्चरायरा श्चरायाः विष्याः श्चरायाः निर्वित्वरावश्चरार्से । विदेशियाने निषानि मिषानिरासी स्वितानिरामे यः सूरः नवे कः यः ने हिंदा शुः पर से दः दें विश्वः नुः नः सूँ शः शें। । वायः ने ः वर्रे भ्रानुवे क वान कु वा केंद्र पर हो दार्रे वे वा केंद्र पर हो दाव के वार्षे शुअायार्शेग्राश्चायार्वेदायरावशुरारेखिशात्वातार्श्वेशार्शे । शिंग्रश यदे नस् नस है है स सु द्या या या से निस या से नस् हैं। । यद

न्नाः भेवः वे ग्रावः हे नः श्रे ग्रावः नह्या यः यदे न्दे यः से वे यः हुः नः श्र्वाः सर्वे। वेश ग्रुप्त श्रें शर्शे । १ दे दे देवा परे पर्वे पर्वे श्रुप्तर्ये वेश ग्रुप्त पर्वे श नश्रुव हो। भेगात्य र्शेनारा संवीत्र राज्य स्थूद न संवीत हो। दे नरा व दे वे प्यट द्या स स प्येव सदे गुव हैं न ग्री नदेव स वे स ग्रुकें । वे वे स ग्रुक वे नश्चव मदे ने व ज्या गुव नहग्र मार्च व दे वे रार्चे ने साम हिंग मदे। यदे'ग्रादाह्म्याग्री'यदेव'यर'से'व्यूर'र्रे'वे'व। हेर्यायासेट'दे'स्रवयाग्रीया र्केल निवे निर्देश सेवे में क्रिंस्स सम्माउन समाई में धिव सवे हिम्मे षर:द्या:धर:क्रें):व:व:श्रेंवाश:ध:वगावा:ध:षर। हे:वा:श्रूर:ववे:द्धंव:ठतः अ'भेरु'मदे'हेर्'भर'द्या'सर'ह्ये'च'श्रेय्य अप्यामित्र'म्य धेव सदे गुव हैं न हु प्यूर में । हेदे ही र से सूर ले वा दे वे ले या हु न र्श्वेराने। धरद्यायम्भेर्वायार्थेयायायायायायाया । द्रियारी पुराया वार्शिवाशासासूरावात्रासीसूरार्टे विशानुवरासूरार्टे । विवदावीता पर <u> न्यायरः भ्रेष्ट्रेन्यः श्रेयायायायिव न्यायिव प्राधिव प्रेष्ट्राचायाये । स्थायिव प्रेष्ट्राचायाये । स्थायिव प</u> वेशः ग्रुः नरः श्रुरः र्रे । द्रमामाः याहेशः ग्रेशः वेः श्रूरः नः विः वरिः वेशः ग्रुः नरः नस्रवाही । विवेष्ष्रेरास्रदानेषा नर्रेशासेविष्टेर्निन्दामान्दारासाधीवासवेष धेररें वेश गुन क्रेंश है। दर्श रें नवेद दें। हि सूर नुस राय केंग्र धर्यान्वेत्रायात्रे ने यान्वेत्रायान्याष्ट्रतायात्रे या श्रीवायाः सूरावरा सूरावरा न्द्रम्यस्थित्रस्थे स्थित्रः स्थित्रः स्थित् स्यात् स्थित् स्यात् स्थित् स्यत् स्थित् स्थित्

वेश ग्रुप्त र्श्वेश श्री । डिवे श्री म्याव हें नार्वे न प्याव ग्री प्राव श्री म्याव श्री म्याव श्री म्याव श्री यः अधितः प्रभा । प्यदः द्वाः हुः तः चगावाः अदः वस्या । विशः ग्रः वः श्रें सः श्रें।। दे 'इस'सर'दर्शेष'वदे 'धेर'द्याया ग्रु'सेद'द'वग्याया स'से 'वर्गुद'वदे 'धेर' हे लेश ग्रुप्त क्रिंश हो । विवे श्रि माना ग्रुप्ते माना माना स्था पहुना हे वा ध्रयाभेरामदेःनग्रामायासाभीःरेग्रसमदेः भ्रीरार्रे विश्वानुः नार्धेशासी । ध्यासेन्द्रान्यायायास्री सुन्य दे निवाद स्वी त्यादी स्थाय सिन्दी वाया हे न्वा ब्यायाया सेवायाया से न्याया सेवायाय स्वाया स्वायाय है ना प्रवे सु उत्र सःर्रेयःर्रेय। द्रेयःर्रे धरःद्र्याःयःक्षेत्रःत्रः वह्ययायः यादः धेतःयःदेः नगगा ग्रु हेन धेव दें वे द वे या ग्रु न हैं या ये। । यने दे ने प्राप्त धेव पर हैंग्रथायरा ग्रुः ह्रे। यदे व्हराग्वित विगात ग्रुयायाया सेंग्रथाया से दायरा श्चनवा देरह्मायरहिंगायदे कु उदा की दिर्भाग नामाय हेट की भा गुनः है। गविव वे से ने गराये हिन में । यदे वे गया हे ने ख़रा वहगरा यदे रहा में दिसी विभागाय वह्नाय से दि स्ट्रिस वर्षु से विशास नशरवीं वास्तर हो दि भूर एकुर वेश हा नशहे के के हो नशहे नह्यासामार्वित धीत र्वे बिसा चुन्ति मार्थे मार्थे । ने हिन हे दे से मार्थे वशुराने विश्वान्यः श्रीशार्शे ।

रामित्राची स्थानियाची मित्राची मित्राची मित्राची मित्राची मित्राची स्थानियाची स्थानियाच

यारायी हिरायग्या रासेरायारायी रास्ने प्राया स्वाया स्वया स्वाया स रार्धेवायरावश्रूराते। क्रेंग्नायेरायायायायायायायायायाया वीर्थाञ्चे नायार्थे वार्यायार्थे दायरावश्चराचा वारादाञ्चे प्रायार्थे वारा ग्रम्भे न सेन साया सँग्रासदि में निम्ग्री साम्राम्य स्थित । ग्राम्य स्थित नःवःश्रेष्यश्रासः सेन्यने अत्य क्षेत्रः वार्यः श्रेष्यः वार्यः वार्यायः वार्यः केटा देखेदद्भेरवायार्थेवायायार्थेद्धरायाय्युरार्देखेया मीर्थास्यम्बार्यादिने देन्यायानायानायिताने। ने स्वानि के सिंग्नि न्यामी स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्व र्शेम्बर्भायाः व्याप्त स्वर्धितः संदेश्वर्भात्र स्वर्ध्वर्भात्र स्वर्धितः स्वर्यतः स्वर्यतः स्वर्धितः स्वर्यतः स्वर्यतः स्वर्यतः स्वर्यतः स्वर्धितः स्वर्धितः स्वर्यतः स् यदे देग्र राम्येद यदे प्यत् भ्र में त्रे राम्य विकास स्थाने स तुःनःतेःश्लेःनःयःर्शेग्रयःयःर्पेन्धरःहेःरेग्रयःयःयेन्धरःदेश्वेरःर्रे। ।हेः क्ष्र-देवार्यायासेन्याने क्ष्र-ते देवा त्रयान्यन्तर स्टार्टी । ने क्ष्र-देवः नश्चनशःत्रशः सह्याः नशुः नवेः धेरा ने नशः वने वे गुनः हिन हे। । यदः

न्वायरम् अभ्रेष्ट्रा विश्वाद्यायार्थेवाश्वायम् । यदान्वार्ने नायन षरःदगः भेता । षरःदगः पदेः देवः वेशः गुः चरः नभ्रेगशः शें वेशः गुः नः र्सेशः र्शे। डिवे हिरायर द्याराया धेव लेवा देवे हिरा यर द्या हेर र्याहेश बेर्नो विषा चुर्न क्रें भाने। महिषा वे क्षें नाया के मार्था मार्था क्षें ना बेन्यायार्थेवायायासे। र्नेन्यनेख्यान्यस्थ्रम्यवेधेम्।नेकेन्धेम्य ने क्रूं र सेत्। । से क्रूं र संयोधन पेंद से द से द । से क्रुं संयोधन क्रुं से द वेश दिखार्स्य यारा पर्टे साध्य पार्श्य विशानु पार्श्व । द्विरा यः अधीतः यन्ते । धरः द्वाः यरः तः द्वावाः द्यः अदः यशः वगावाः यः धरः अदः यरः ग्रयायदे भ्रिम्भ्रिम्स् । विश्विम्स्यायाधेत्यायार्थे ग्रयायादे । न्ययान्स्या र्रा वाडिवा क्षे रहेत्। विकाहा वाका र्या वाका या वाका होता विवेश धिराधराद्यायरादायाहिकासेदाहे त्या देवि श्रेकायासेदायाधीता विका ठानः र्श्वेर्यः हे। दे विष्ठः वेर्या छात्रः स्वार्या अदी । दे विष्ठे दे विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः नःवस्रशः उदः ददः व्याः नर्दे वेशः ग्रुः नशः इसः सरः वर्गेयः हैं।

नेति श्रे र ति र श्रें र ति र श्रें र ति ति श्रें र ति या ति र ति श्रें र ति या ति र ति श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें र श्रें या श्रुं र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ति या ति र श्रें र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र ते ति र श्रें र श्रें र श्रें या श्रें र श्रें श

हे मिं श्वर्दा । क्रिंश ग्री श्वर्दा । प्रिंदी क्रिंश श्वर्दा । प्रिंदी क्रिंश श्वर्दा । प्रिंदी मिंदी स्वित्र स्वर्दा । प्रिंदी मिंदी स्वर्दा स्वर्दा । प्रिंदी मिंदी स्वर्दा स्वर्दा स्वर्दा । प्रिंदी मिंदी स्वर्दा स्वरंदा स्वरंद

यार में 'डी र 'इस स्थाय प्रदे 'इस प्यार अदि 'दी | क्रु. में दे 'खे 'यो ' अ्वें द 'दी 'या प्रदे 'या प्रदे

न्वरः ग्रेन् केरः चक्क्षेत्रः सरः ग्रुः चार्या विश्वः श्रुः रायः भी स्वाः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्

म्याकि ग्री हिंद्या श्री मिश्र हिंद्या श्री स्थान स्थान स्था स्थान स्था

किंत्र^{दे}त्रद्यायादे त्यादे निर्देत्यम् त्रुप्तदे निष्णा ग्रुप्त वे शातुः नामासूत् उत्या षदा डे.लट. सेट. वीट. वी. सी.सी. वी.सा.ची.टी. सा.चट. दे. वि.स.चट. देते. <u>५अ.स.वेश.च.च.स.स्याश्रामश्राम् इ.स.चे.स्या.मी.यावश्रामः दे.स.स्रेट.स.</u> हेन्थिन्हे। वह्यायदेक्षुः अळन् सेन्यदेष्टिन्दे । यायाहेने सुधिन वा ने त्य वे अ ग्रुप्तरे अअ में व प्रायान हैं न प्यम् ग्रुप्त धेव प्यम् ग्रुर्थ त्या नर्हेन्यर ग्रुनिये नगा ग्रुन्सेन में लियान हेन्य है प्रमुत्त लेखा ने से हे य यर गुःचदे चया व्येंद दें विश्व यहेंद दें। ।दे अदः यहेंद यर शे गुदें। विश र्विःर्विः रुवाने 'द्वावाः धरः होदः ही। विःर्वे 'रुवादे 'खः विश्वः हाः विश्वः अस्। ग्वितः श्रीशः हें द्रायर हो दाये अप्येतः हो या देश श्रीः हेंगाया हुआ या रा नरुन्यार्थसायनयानेषा होन्न् । वन्याः स्टानेसा हानदे निह्ना स्टे क्षेताने यर्देर्न न नहें द्राया कें र गुराय दें। विन्त ने श गुरा ने न सूत्र परे धेरःर्रे । देःधेःधेरःदःदेशःग्रदःदेव। धेःगश्रदःवव्यशःधशःकुःहेरः नन्त ग्रम्बेश ग्रम्बे नश्रुव महिन्दि है अपार्वि वद्या नव्याय यावित्रयम् क्रियावित्यावित्रवि । क्रिक्रियावित्रवितावित्रवितावित्रविता रें ने अ अ अ हो : ह्या की रें ने अ अ अ र न : हु द हो : न दे रें ने अ दे : न सूद : धर भे त्रामर्वे । पाय हे देव द्याम वे हेव केट वर्षेय सम्वर्ष प्राय स वर्गुर-रें-विवा देवे-धेर-क्रॅंशन्स्ययायाक्र्यामी हेया शुःश्वान उत्-र्

न्यस्त्रित्ते क्ष्यः क्ष्यः स्रोत्ता क्ष्यः स्रोत्ता क्ष्यः स्रात्ता स्रोत्ता स्रोत

<u>लट्गीय क्रियं वे क्रियं या वे क्रियं के ये वे क्रियं वे या वे वे वे वे वा व</u> रु:हैंग्रथ:धर:ग्रु:व:विंदिवे:ध्रीर:ग्राव्यःह्यःधःग्रिशःशु:वश्रवःहें। दिवः बेर्'र्या'व्रापदे'धेरा पर'र्या'स्यार्थे । वि'व्याधेर'पर'र्या'स'स' धेव मश्राश्ची । गुव हैं न ग्री वे 'न हो न हु शा । वे श हा न वे ग्रम् श न वे व न र श्चरानरामुदी । इसायरायमेयायाने परीपीन हो। लेखायदी । हे पर्यान विगारे वा गर्या निर्मा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स वहेवा हेव श्री अप्यतः द्वा यः द्वा प्यतः द्वा यः अप्येव यम हेवा अर्थे वि अश्वः नरःश्रुरःर्रे । वे विवा वे व्या कुला श्रेवाश्वारा श्रेवा कुला श्रेवाश्वारा न्याक्षे में रियानविवान् श्रुमार्से । दे श्रान्य न्यान्य विवा देयायमा गुराद्यावेयागुनार्श्वयायम् । हे विनाधिदायम् वेत् विन्निन्यायाश्च नन्दर्भः क्षुन्वः धेरुः सर्वे अः ग्रुः नः क्षेत्रः सर्वे । तदेरः धरः में दिसानितः रुश्वरःरी दिवानेरायास्यास्याद्वरायाधेरायाधेरायरारेयायरान्या वेश ग्रुप्त है भू गु भेत सूर्य पाया देंत है भूर सूर पर ने पवेत गु वेश ग्रु

नः श्रुर्भः श्री । वायः हे : धरः नवाः यः नरः धरः नवाः यः यः अवः यदेः हो : ह्यवाः धरः वा दें व वे निर्देश से निया है नि हैन से निया साथी व वे सूर्या या निर्देश शुःव गिरु भवि । वे श्वा प्राया श्री मार्थ । वि श्वर में में हिर यद्धंदर्यानेवा दें तें हेट्येट्यं हेट्र्यं हेट्र्यं विया ग्रुप्य क्रिया है विया है विया है विया है विया है विया नविवर्रं वे क्यायर वावयार्थे विया ग्रामार्श्वया है। यह वा हेव ग्रीया है स्थर हैंग्रथं संदे नविव दुः इस सरम्यावस से विस नु नवे मके पार्चे दिन ने द यायाञ्चानाद्याक्षात्र्यात्रे क्रुशाह्याय्याय्याव्यायाधेवादार्वे दे द्यायदेवा याधीवावयादिवाने याधीवावेषा देवाने नाया सुन्यान्या सुन्यान्या साधीवावेषा स्रमः यापार्यायाया विताने विताने वित्या स्थान होत्यने प्यत्रे में दिन्योत्य स्थित होत्र में विष्य हा न हो । प्यत्यो ह्या यित्रश्ची अन्ते । यद द्वा यद द्वा यद द्वा यद द्वा या अप्येत । यद विष्ट प्राप्त स्थित है। ने सूर्य ग्राव हैं व वे क्याय मार्थ य र व सूर्य है। धर न्या य वे ग्राव हैं व वे द्वयाया पार्वे वार्ये । प्यराद्यायाया प्येवायये ग्रावाहे वाया वे द्वयाया पारे वा है। इस्राध्य हिंगाय प्राप्त वहस्राध्य प्राप्त हिंगा स्रो हैं गाय है। हो ज्ञानी धैरःर्रे॥॥

रैग्रायाधीत्रपरावेशानुनादी पर्देर् हेयाने न्या निहेत्र्य भ्रेश्वास दिवा ही । हा ना हो दाया दिया था निर्माण । देवा या निर्माण हो दिया है । बस्रश्चर्।यद्विम्रायास्य प्रमुद्रा हे 'देम्रायास्य द्वारी' सुद्रा हे 'बेर्या हु। यदे 'ब क्षेत्रानी वित्रें उत्पाद कुया वाया हो द हे शाह्य ना है। है हिंद द्राय सहस्या नः वेदःयःदर्देशःरें र्ड्यार्थे। । डेदेः व्रेदः नह्यः द्यादर्वेदः नःददः युवः याया वर्ने सूर कु न्दरविश्व सुदे न्द्रिंश से र इस सर देश या वर्ने वा हिन ग्री वनमा से दार्गित पीत दें लेग ग्राम क्रिया विदे प्रीम वनमा से दा मार्विक प्रेम स्रुमा प्रदेश्वम इसमासेन प्रदेशके सम्मे प्रवास वहें त'यर से रेग्य रें वियानु न र्रें या है। इसाय से र पदे प्रेय पदे रेगानायरे क्रिंत में जीता ही। यरे को समें ते साधित हैं विकास्यान मावना यर शे त्युव है। हे वदे कुं से द पदे हिर हैं पदे हिर हैं र देश खुव व वहें तरमर ना वर वर्ष्म केना के सा के सा वर्ष कर के सा के धुवायावहें तायर भेरी वाया थें विया गुरायर प्रश्लेषाया थें। विवेर ग्रीया वि वा इयायाळदायायेवाये भेरे । प्रदेशमें यादे इयायायाया हाता हो। भे ह्या भं हे द के यावया हु हे द त्या साहित साववित है। यदे सूर है यस यः श्रेष्यश्रायः श्रेष्यः श्रेष्यश्रायः श्रेष्यः श्रेष्यः श्रेष्यः श्रेष्यः श्रेष्यः श्रेष्यः श्रेष्यः श्रेष्य धरःश्रूदःवःधेदःधेदःद्वेदःदे ।

नेवे भ्रेर ह्रमाय ने सेवां माय है क्ष्र निर्मा में हिंवा माय में ने निर्मा

वशुरा गयाने हैंग्रायासर हो दाव के के हिंगा स हिंदा ग्राट मावया हा हिंदा क्रामर्वे । धुयायावहेवायराम्चीरीयाम्बी । हेवे मुरामे रेपामाने वा वर्ने सून् गर में रू कें गर रें ने सूर ने उत्ती पूर ने उत्ती ने रें राग हे गर्या। वेशन्त्राया रेकिते केशमदेन्यन्याहेराया हे। इसमा इससा परिवादे स्रमाद्युम् । विदे स्रिमानने वासमा के प्रयुमास्रुवासाय। ने प्यापिका हिना क्रम्याधिरःर्रे वियानुः नार्श्वयाने प्रेति धिरार्रे । प्रेत्याने क्षेत्र के प्रेयानि नन्गाकेन् ग्रीन्दिं अर्थेने पाठेगा शुकेन् न् से स्वासन्गान्य व न्नायायाधेवायवे धेराने। इयायवे नन्या हेन् निवर्ते। । यदाव इयाया इस्रमान्नर्भरस्रीत्यूराने। नेमायदेन्यन्यानेन्यान्यन्यन्यस्र न्नासंदेश्चिराहे। लेशासंदेश्यराची दिस्ताविव वि । ने स्वराह्म स्वराया सेना यदसम्स्यापान्दान्यस्यापदिःनेयापाध्यापासे वहित्रम् वर्षसानुन्दाः कुं हेर परे हे से सुरारे विश्व कुंच स्वा सर्वे । हे दे हिर सुसाराया सर्वे शुरुप्तरा भेप्तभेषाश्रामदेश्यावेशानुप्तः र्ह्स्याने। इसामप्तरान्यसः यवमा इसामासेन्यियम्बर्स्स्यस्य सुराधिकार्द्रेस्य सुरापिक्र स्यास्य रेग्र रें।। इस्य प्राविव वे से ट्रें। सि ट्रिय्य र पे तुस्र प्राय से ग्र यर्दिनः शुयान्द्रायो नियायाना वियायान्य विया स्थित । स्थायान्य विया स्थित । स्थायान्य विया स्थायान्य । न्वेग ।

गयः हे : इस्रायावा विवाधितः या विवाधितः कु:प्रज्ञश्किन:र्ह्से:पी । व्रवश्यवाय:विगादी:पेंद्र-हे:वा । दे:र्ह्स्या वेश: ग्रु: नः र्रें अन्ते। दे वे अन्तुन्व दे विवया है ने र्रें अन्ति वा पर्दे । है रेरे से र सूदे धेरक्षेत्रहें नहें लेवा देवे धेरा वर्त्य यात्र मार्याय सेर सूर्य गराया यारेग्रासंक्रानुपार्श्वेरार्शे । विर्दर्भे विर्द्रप्राये भ्रित्रासे स्थ्रेते सुर्वे स् मयासेरासुण्यरासेरामरास्ट्रिंतार्हे । यायावेसाग्रामाने सेंदामाने हिंदामाने इस्रायान्वरान्ध्रिन् हेना हेस्रा चुर्ना हेत्रे वा अपरावे इस्रायान्वरा यदे ने रामानाधे दाया प्रमान स्वाप्त स्व वर्जुर-नः धर-रर-रेगानायमः गर्डेर-रे। देवे श्रेर-वर्ते ने वर्तवे सह्गः व्यायालीय सम्द्रियाया समायने दे किंदी विने दे तर्वया निर्दे विया न हैंग्यार्थे। । ने क्षायाधीन न ने यहुगार्चे ग्यारे या पर से नुरारें। । हे के र्दरक्षेन्छ्यः वर्षः वर्षः क्षेत्रं वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वरः वरः वर्षः वरः वरः क्ष्र-र-रेग्।याके व्यान्याकु गार्केन यम सेग्।यये कार्ययापा प्यानेग्। र्गे विश्वासूत वेत हैं।

देवाश्व विश्व विश्व प्रति द्वा प्रति प्रत

न्दे कुन्दरव्यक्षात्ते प्रस्कार्यके न्या के न्

वर्ने भूमा नुःससान्देसार्थे माठेमा से मेना । नुःससानुः सामेना । याडेया'यी अ'त्'अदे'त्रेर्स्य'अे' होत्। ।याडेया'यी अ'याडेया'होत्'य'प्पर'अेदा । वेश ग्रुप्त क्रेंश केंग्रिश शुप्त वर्ष प्राप्त वर्षे क्राय रहेंग प्राप्त वे व्यट्टी दे.क.र्ट्टार्स्वेरट्चट्टिं चित्रावत्रा ट्राय्याचिताः चेट्टारायाधितः हे विकानुन क्रिकार्की विवेश्वीर पुरस्कान विनासी निरस्काराया वरी क्ष्मा रें रें हिन् मन्द्राया सेवाया सेवासाय मायसा वेसा ग्राया से सामे। र्सेनासारार्स्स्रेसारस्य दे ना बुनासार्ट्य सूटाचार्ट्य धेराया बेरायार्सेनासा यन्त्रान्यस्ति । त्रव्यान् व्यन्ति । या व्यन सर. भेश. म. हे. प्रशुट नर विश्वा ह्या साथ। ह्या विष्वा दि । वा विष्वा दि । धराक्षेत्रमुरार्चे । विदेशिरास्त्रुसायाया देशाद्दाराम् विकान्यास्त्रिकाते। कुं मन्त्रग्रम्मे। विन्द्रभासे द्राये से स्वेरमें विकास से प्रम्भास्य <u> ५५.स.सूर.सरा विश्वाच.य.सूर्य १५.क्ष.यश्वाच.</u> <u> ५५.स.स्रेर.स.स्रेक्ट्री</u> । ब्र.२५.स.स्रेर.स.स्रेर.स्य स्थात्त्रीयः वर्षे स्यास्थाः नुर्दे। क्रिके मन्दरमान्दरमान्दरमा से दाये हे सा सुरवर्षे ना दारा हे ना साया क्रिंशमायविष्यानुतिः वाद्यान्या वाद्याया वे साम्याया विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया धरादशुरावा वर्दरावे दे १ क्षायाधिव हो देवे श्वेरावन्य स्वति वाद्य ।

बन्द्रान्यन्द्रवान्त्रात्राक्षेत्रयाद्याः क्रुः सेद्रायाः उत्राधितः वे विवा दे व्यसः ग्रान्यसेन्यदेधिम् । विसाद्यानार्स्स्याने। वससाउन्देशनन्त्रान्यम ठव-दु-वशुर-र्रे ।दे-क्षर-कु-सेद-य-ठव-दु-शुर-व-ह्ना-दु-प्रदेश-सेद राविया हु त्र सुराहे। बस्र संस्टर हे सा हु ना स्वी सिंदी हिते ही रावे हा नक्षेत्राधेत्राध्यम् श्रीत्रात्री । वाषाके त्वर्यात्रवे श्रीतायम् श्रीतायम् याउदाधिदाहे। देवेष्परात्राद्याद्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राहे राशु होता यम्यास्य विद्यने देशहे सासु पर्वी याद्या वे वा सदे हे सासु हो द्या पर्वे स वा व्यक्षः तुः शन्दाः प्राप्तः शन्दाः भाषा वा वे विकास वा विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास याउवार्षियायाची ने वित्राम्यायायाची वित्रम्यायाया उदान्यायमा । ग्रान्य कें यामाया उदाने मात्राया प्याप्य केन्य स्थित र्रे। । ने न्या ग्रम्स्य द्ध्य मन्द्र संस्थिय संदे में के न स्था मन्द्र सं र्विन प्रेम प्रमान विकास मान्य विकास मिल्ल व्या र्क्षेत्रायायम् व्याप्ति । व्याप्ति व्याप्ति व्याप्तायम् व्याप्ति व्याप्तायम् । केवे भ्रिम्मे मुन्यम् भ्रेन् ने प्रथम मन्य प्रमे भ्रिम्भेन प्रमा भ्रेन् ने यदे सुरार्श्वेरावर हो दाया दे प्राप्ते स्वाप्ते से स्वाप्ते सामित्र सामित् यम्यायन्त्र स्था । यम्यायन्त्र स्थायन्त्र स्यायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्य स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्य स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्ति स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्त्र स्थायन्ति स्थायन्य स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्यस्य स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्याय

षर्वाते केत्राचित्रे केत्र कर्षा वर्षे केत्र कर्षे केत्र वर्षे केत <u> ५५'स'सेम्'य'र्स्मस्य प्राच ५५'यदे हिर्स्स</u> । दे ख्रुं त ते दे दे हे द यः भ्रेषाः वः श्रेषा भः यः वे भः वहूरः यदेः भ्रेष्ट्रा द्युरः यः दे छे दः ग्रे भः स्रेषा भः ने निव हु लेग्यायायायायीव यम क्रिंव हैं। हि क्रे ने नगायया ने क्रेन प्रविदे र्ने हैर ग्रे हे ज्ञा मन्दर में लेख गावन हे स्वा हे स्वाप र हे अप पर है हेन्'भेन्'हे। ग्रान्मे' धेर्'दि हेन्'द्र्य राज्य मुन्य प्रदे स्वर्षे हे ज्ञा प्रदे स्वर्षे हे ज्ञा प्रदे स्वर् थ्र मार्श्वेर नर हो र दें। । यह भार प्रत्यूर नर हा नवे हो र मा हो हा ना उर ह्मरश्रामाधिव ही। श्रेमाया श्रेमश्रामावव दे ने स्थायाधिव प्रमाय ह्या मान देवे छेर त्राधर वर्दे दाय अवव द्या द्राय वरे या द्राय अवस्थ । वशुरानशाद्रिंशारीं सेदायवे दें में हिदायशा देवे दें में पाल्व हे लिया धॅर्नेन्त्र, हुर्बेश नेव । देवे हिर्हेर हिर्मे अर्देन शुंश या श्रेवाश पर दर ववाया नन्दरंभीत्रः सुक्राधरः दशुरः देशि

र्श्वेम् मान्ने मान्याने हेन ने मान्याने स्वाप्त मान्याने स्वाप्त स्व

विष्ठ्र त्रिन् श्रे त्रे त्र व्याप्य प्रदेश प्रदेश स्थित स्थाप त्र स्थाप त्र स्थाप स्थाप

णराव्यक्तित्रे निराक्षे रावसायव्यक्षात्य देवा विष्ट्रे निर्मे क्षेत्र क्षेत्र

गयाने देवे हो हागाया कु इससा हे नर हैं रान है सु तु ले ता देवे धेरप्ररामे दें में हिर्दे हैं सुन् में मानी या ने या मुना में मान में र्रे के दिन के त्या निष्य का विष्य व्यवस्त स्त्रे के दिन से के दिन के स्त्र के ति स्त्र के स्त्र के स्त्र के स बक्षियार्गे । यायाहे हे हे हे हे हे सुर तु विया हे ता हे ते ही र यह सुर अर्द्ध र रा यने साववायवे क्रेव श्री ह्रा स्टार्स ने यायायय वे सेवावी ह्रा सर ने या यक्तिम्रायित्वन्याकिन्न्त्र्यम्भेत् । अयायीन्न्यन्ये व्ययक्तिम्राय मदे नद्याकेट्रेन्य बुवाराया वहें वर्ष्या महेट्र्रे रें रें रें रें रें रें रें रें रें यशक्षेत्रे नित्रसम्भवत्रे स्ति दिन्दे नित्र सम्बद्धाः स्ति । निर्देशः शुः व विद्यशः सुः व <u> ५५'स'स'भेद'भर्। कुः</u> इसस्य ग्रेटें ने हे ५ घ ५५'स ५ व वी से टें ने हे ५ बन्द्रान्तार्विः ब्रम्प्यकुमाने। कुः बन्द्राम्यया ग्राद्याया युदे । वे । व्याप्ते । वन्द्रा मः सेन्याने साधिन हैं। । मान्यान्याने मन्याने मन्याने सामित्र स्थाने सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र स नःश्लेषःश्ली

वदी नमया निर्देश देशे देश मामा मामा विमान निर्मा निर्मान स्थित हो। विमान स्थान है। देवारायरास्ट्रायायायेदावेरान्चायदेश्वाक्षेत्रामें विदेश्वेरासूराया वा हैन्य संदे निर्वा हैन वा से निर्वा संवास मार्च के साम से साम से मार्च साम से मार्च साम से मार्च साम से मार्च साम से सा यः श्रें अः प्रश्ने वा त्रुवा अः वः व्हें तः त्र अः यः के दः दः दे अः यः वः श्रें वा अः यः न्रभूते । यत्र द्धं त प्र ५५ भर प्र भागे त त ते त स्य प्र भी या पे र र स्य वर्गुराने हिंग्रस्यवे निर्मा केराया केराया केंग्रस्य है । द्रमा निर्मा के स्वार प्रमा के स्वार स्वार है रा है। हैंग्रथं सदे न्यन्य हैन त्यः श्रेंग्रथं सदे स्ट मी न्यन्य हैन निव हैं। हि यन्यादेश्यादेश्याद्यार्थ्यात्राचित्रा नेत्राद्येत्रा व्यन्त्राद्ये वेशाम्याद्येत्रा है। बर्द्रायम्प्रायेवावावीत् कुः सेद्राया उवाद्या प्रायम् ने यने विश्वाना स्वाप्ति । विषेत्रि मुले से निष्ठा स्वाप्ति स्वाप्ति । विषेत्रि स्वाप्ति स्वापति कुंदे हो दाया इसायर ने साया या वाव दे दाया साम्ये हो ना वा हो नर शुरावागुर्यायदे शिरारे वियागुरा श्रीयार्थे ।

दशुराहे। वार्रामाओर प्राप्त स्वार्म क्षेत्र वार्म क्षेत्र वार्म क्षेत्र क्षेत

सूस्रायाया इस्रायर नेसायाचियायसायाववासाधिवायि मुरार्से वेसा तुःनःर्श्वेरुःहे। इस्राधरःक्षेर्यायदेःस्टामीःनन्नाःहेनःनविवार्वे। ।नेःक्षावादेः कुवे : धुव : व : द : द : द : व ह व अ : द अ : दें द : वे व : व अ : द र : द यु र : हे । क्षेत्राचरस्यस्भू अस्य कुति हो द्रायि ध्ययः श्रद्धायरम्य वेशः ग्रुःनवे मः कैंगार्गे । देवे भ्रुरः दे भ्रुः नश्यः नात्रशः भ्रूनशः देवे हेशः धरः वर्गुरने। देनेनेन प्रमान्य स्वाप्य स्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य यायाधीवायावतुरावाया कुः वाद्यायाची वाद्यायाच दे^ॱब'द्द'ग्रुद'ब'द्द्र'संसेद'सदें श्चेद'र्से ।ब'द्द्र'स'स'सेद'सेद'ग्रुद'ब' <u> ५५'स'से५'सर'दशुर'र्रे । । १५५५'स'से५'स'स्पर'ष्ठ-५५'से५'सर हो५'</u> यरक्षे वर्ष्यूरर्से । देवे धेरा बन्दा या द्वा वर्षा के दार्थ के स्थान उदार् प्रमुक्त है। बस्र रुट् ग्राट हे प्रस् ग्र्ट् द सेट प्रदे हिना बस्र र ठ८.गीय.की.मा.१४.१८वीर.मू । ने.कीर.कीर.व.यध्या.थे.स्या. बेर्'स'वैग'रु'दशूर'र्रे'वेश'र्सूश्रामप्तिर'धेर्'स'र्युद्र'येर्'ग्रहेरे'ग्रह्रश अन्य वियान्त्री । नकु वियान्य वियान्य ने साम दे विष्य मान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान वा वर्ष्य राष्ट्रिया राष्ट्र यद्या हिन्य र्श्वा राष्ट्र राष्ट् यश्रञ्जीयहग्रयायायीत्रति॥

नेवे नेन्यवे खुवा मन्ना पर नहुण या या नेन्ये वे वे वे या नु ना के या है। देवे बेश ग्रुप्त भू वे मुद्द भू रहें। विषेण ग्रुश वश केश बर्द्रायर मह्याय मुश्य द्रशा देश मुश्य श्री । श्री दे दे द्रा द्रम्य प्रदेश नन्गिकेन् ग्रेट्रा वित्रान्ति वित्रान्ति वित्रान्त्र वित्रान्त्र वित्रान्त्र वित्र व हैंग्रायायदे नद्या हेदाया सेंग्रायाय द्याया स्वी । प्यदास विवास र् अ ले अ हो ज्ञा नी के ना सूर् पर्वे । के अ शर्र राजहना य है भूर होर स्रुस्राया कु: न्रास्रुद्रायमाले साग्राया द्वीया किना किना धिन्या होन्यायमा हिंगायदे दे ते विष्ठा हानाया से ग्रामान्य दे ग्रीश्वानित्र विवादित्र विवादित्र विवाद्य स्वादित्र स्वादित्र स्वादित्र विवाद्य स्वादित्र विवाद्य स्वादित्र विवाद्य स्वादित्य वर्दे है ना हे श्राम से दाय वर्षु मर्टे सूस्राम वा कुते हो दाय दे ते व्याप न यदेर्देवर्द्वर्वहण्यायायावित्याधेवरयराद्युर्देख्या ग्राचर्द्वेया ग्राचर्द्वेया है। हेदे-ध्रेम्भूयायाया ह्रियामदे नर्जे सञ्चूम्य प्राप्त प्राप्त हे लेया गुर्य क्कें अनि। हैना अन्यते निष्या हिन्या स्वीया सामा विष्या स्वाया स्वीया स् कुवि छेन सने वे हिंगा सवे नर्डे अ श्रुम न न न न न ने वे छेम ने वि छोम ने वि नश्रात्र यदाद्वारावे देव दुव्य नह्याश्रास्य वित्र धेव सर दशुर दे। नायाने नहना सामाधित दुः बेदा ग्रामाने सामाधित सुसामाया ने भूज के प्रवर्भ मुक्त से न्या उदान प्रवृत्त के का मुक्त के विकास परि'यन्ग'हेन्'इससायाहे'यर हें रायदे हिरारें विसानु या हैं सार्से ।

ह्मरायादे त्याहेरायादे हैं दाये हि राजनिताया जान्त्र प्याप्त हैं राज्य है वर्ष्यभातुः बाद्दायाः साधितः धदायाः ने । हिँद् । ही । ह्या । इस्र सादी । बाद्दा । स्वर पिश्रामेत्रत्व देग्ध्रम् सूम्य प्याप्त क्रिंश्य दिन क्रिंश क्षा प्रतास्त्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स वरावश्रूराते। वेवेधिरावेषा मन्द्रायाद्दामान्यायायीवायवेदिके हेन्न्र्राथ्याये भेना हुन्न्याया अवायाया विवादी । ने स्वाया न्वाया के या ही । वा निर्मा विष्य प्रत्य के वा प्रत्य विष्य है । वा निर्मा लट्डिंश्रिश्रिश्रिश्यायाक्षित्रेश्रीत्राचीवित्र रिक्टिंश्रिया वर्ष्यश्चिःश्चेन्याय्वर्त्वः द्वार्यः देवेशः व्यव्यायः विष्यायः व्यव्यायः विष्यायः व्यव्यायः विष्यायः विषयः व व्याप्दरे न्या ग्रम् ग्र्या यहवा अप्यार्थित स्थित स्था न्रेस से मन्न स्थान बन्दरमायाधीवायवे दें विकित्तरम्बन्य विकास व्याने न्या ग्रम्यह्यायाया विष्य भित्र के लेख लेख व्याचाया स्याया स्थाया स्थाया श्री । दे सु धेव व वे वे श चु च वे नह न श र हे द धेव व वे वि वे हे र रेग्रयायायायेत्रसूर्यायाया हिंगाययायर्गेत्रयवेष्ट्रात्तरम् हेते हेत्रया मकिन्द्री कियुन्निन्निन्नात्मा अक्षिमाना वेशान्त्र निमान्य विष्य यमिते अञ्चलाय सँग्रायाय ने निर्मे केन न् मिन्य सम्मान्य वर्षे । वर्ष्यभार्यः मार्थन्य । वि: य्रवाः इस्रभार्यः मार्थः प्राप्तः ।

गवर भेर हिन पर्ने न ने अस्त । विश्व हा न असे प्रवास सु मन्न साम इस्रमान्वरायापरासाधिवात् ने स्वातास्य सान्दा ही सान्दा त्वायाया । वर्रे हे भूर वर्डे र हे या रहता प्रेत्र हो । प्रवर द्वा वी या तुया ये र हिर ग्रेशके द्रवर द्वापा मेश ग्रुश राजविद र् किंग वरे देग राज राज र व्यव राज धेव वें वे या वस्त्र या न्य स्ट्रेंव हैं। विषय यो वे दें वें यथ या वव सेव यर पिरायेव व वे प्रवास रा ने वे पा बुगस एस भें नास पी व ने ि हैं गस परे नविवर्ते। निवर्त्तस्य मने प्यस्ति। ध्रया ग्री इसामायसाम्बद्धा सेवर ही मा वर्ष्यश्चित्रं वा विवाधायका ग्राम् दे क्षेत्रं वरा वर्ष्युरा है। ध्राया ग्री ह्राया वर्षा गवित्रः अधितः भवे श्रिम् धुव्यः श्रीः इसः भवे स्टामी मन्या हेन मिवित हैं। वश्यात्या कुःगडेगायाक्षेत्रायराचेत्रयाद्या क्षेत्रायराचेत्रयायाधेता यन्तारुष्ययान्यवस्त्रम् हो भ्रेन्यन्यभ्रेन्नि मुन्यन्यस्था विषयि वेश मुन्नर श्रुर्रे । विषय अप्तुर्य अप्याय शिविष्य विषय अप्त वर्चर्यान्य विचात्य विद्यान्य देश निव्याने वर्षे व्याचित्र विद्या विच्या नह्रम्यारायरात्राव्यावानासेन्द्रिस्रुसात्। यटान्मायरावेशानुनार्झ्रिशः र्शे । ने निवत्र मुंगिरेगाया भेन निन्दा भेन निन्दा से मिन्स से मिनस से मिन्स से मिनस से

शेष्यायावेशन्तराश्चराने। भ्रमासाने स्थापविनर्ते। ।वर्मावेपाया हैंग्रायायार्थेग्रयायाये प्रत्याकेताय्यायायायायाया हिन्द्र्यायायायाया অর্থ্রবাপরে ক্রি. রলপরে বিজ্ঞানী বেদ্র বিপ্রান্তর্ব প্রান্তর্ব প্রান্তর্ব প্রান্তর্ব প্রান্তর্ব প্রান্তর্ব প্র हेशनायदी सेटार्टे विश्वास्य न्या ग्वावस्य म्या स्थानित हो। वियानुन्यत्यार्थेवायायार्श्वेयाते। देवायवे हेयासुवन्यत्याद्यास्यासुयाते। बन्द्रायन्द्राचन्द्रायायाधीदानाञ्चनायमः होद्रायाची हे याशुप्यर्थे नाद्रा ब्रैंगायन्गायह्यययहेन्न् क्रेंन्यं धेन्नें । हि क्रेंगाय हे हे क्रून्क्रेंग यदे हे अर्थ केंग हु नन यश क्षेत्र अर्थ अरदि हे दे र नर ग्रुन धे द शी वर्रिः भूर्र्र्र्र्र्र्र्र्र्योः देर्त्रे हिर्द्धः वदेर् हेर् ह्या वी शबेश हुर्या व्यासेवास्यः यानहेत्रासरा हुदे विश्वासूर्य सूर्या वाया हे हो ह्या सुता स्था याया । वेशन्त्रःतायःश्रीषायःयःश्रीयःश्री । नेरेनेतिःश्रेन्यमःनेन्यःयःधितःयमः वर्गुर-र्रे । १ र्रेश-र्रे इस्र राज्याय विवार्हेना या र्ये तर्रा वर्षे त्या याडेया'यी अ'ग्राम्' त्रु अ'ग्री। यदी म'यद्या'डे' द्यों अ'वे अ'हे 'यावद'र्थेया' य बेर-र्रे वेशम्बर्म्स्य प्रवेश्वर ने प्यर हिर पर्रे र हो देशे बेर पर्रे शके पिर्शः स्ट्रान्य प्राचित्रः स्ट्रिन् हिं । क्रिंदे : क्रेंट्र स्ट्री : व्याप्त स्वर्थाय है । नरःश्चेरित्रा नुसारिष्ट्रीय। धोत्रात्राध्यायात्राःश्चराय्यायाः वर्देशके क्रेंबरम्बर हैं।

में त्रम्भात्त्रभाव्यक्षात्रभावयक्षात्यक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्रभावयक्षात्य

हे हिंदि है के इस्थरायया विषा चु च ताया र्शे वाया या र्शे या रशे विष्टे हैं अन् र्रेश्वरायि हेराया नर्याय विष्ट्री मायन्या नुष्या निष्या विष्टाया निष्या क्रिया ध्याने महिरामकी निर्मा पर्निन में दिन ग्राम हिराम में ने गहिरामाव्य सेय देवे राज्य राज्य स्थान स्था वयानिते के वाया वाया विया विया वियानित्र के वायाने कियानित के वायाने कियानित के वायाने कियानित के विवास के विवा यदे यद्या केत् त्या श्रेया श्रायदे द्वा स्थाय स्टिश्ची के दे श्री स्टिश्ची हे दे ही से वन्नद्राम् वित्ववे विषा त्रु नवे न्न क्षेत्रा वि । दे व्यू नव्य व त्र स्यापर विषाया दे गडिमामाधारायाधीवाहे। देप्याययाग्रममाववायाधीवायदेधिमार्से। धरकारे द्वा ग्राम्य स्वर्ता स्वरता स्वरता स्वरता स्वरता स्वरता स्वर्ता स्वरता स् यायशाम्बरायाधेवायदे धेरार्रे । १ दे द्वाधेवाव वे रूटा विवाधान प्रा इस्रयाययावेयानुगयार्थेयायायाहेयायये स्वित्राच्या नम्पर्ने वर्षेयायर वयादशूराधेरा विदेशे सूराके वाह्य विद्याप्त विद्यापी वाहिया वी वाह्य विद्यापी वाहिया विद्यापी वाहिया विद्यापी व न्द्रभाक्षे भ्रेत्। विभाग्याम् वास्याम् वास्याम् वास्य भ्रम् ग्वित : प्यतः ग्वित : यदि र : यहित : यर : युः स्वे अ : युः यः यः अवा अ : यः श्ले अ : अ । डेदे हिरान्न प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्थान या कुं मन्नामा सेन्यवेषानु । प्राप्त स्वर्थानु मन्नामा सेन्य र्श्वेराश्ची विदेशने मन्दर्भन्त मन्दरम् मन्दर्भन्य साधित साञ्चेत सम् होत् साहेश

यात्य हे याद यो अ त्व्व अ तु या ठे या छे द स दे त्य अ यद या हे द छे । छ्द

नन्द्री । क्रुःगडेगागेशय्वरानुगडेगा क्रेन्य चेद्रेन्द्रे लेश चुन प्रशासी के त्राचे के त्री न के त्री वा का सार्च के त्राचे के त्राचे के त्राचे के त्राचे के त्राचे के त्राचे के श्चानरावश्चरानराविः वे रचना वी रारे वे स्वाप्त वा पाया वा वे दारा श्वार वि सूसान् नसससायों । ने सू से दादा वे सा गु न त्या ने सू सा धे दा में पर्वे नःग्ववयः ग्रःषदःषेदःय। ननदः ध्वाः ग्रेनः सः सःषदःषेदः दः दः । यः वनयः नः डे व्यें द डे अ ग्रु न वदेशे । पावय ग्रु हे दा । य से पाय ये ये दे वि दर वर्म्य विश्वान्तान्ते न्वराध्याने न्यार्थित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य त्राडेग्।उरान्स्ययाग्रीर्वेद्याशुग्वड्रायराग्रान्दा वेद्याशुः गर्डिन'सर'होन'सदे'न्द्रेस'से'से'रुन'नदे'होर'र्रे । सँग्रास'सूर्यस्य वे नक्केन्यर ग्रन्त्रकेन्यर ग्रेन्यर ग्रेन्यर ग्रेन्यर स्वायर स्वायर स्वायर स्वायर स्वायर स्वायर स्वायर स्वायर इयायायरार्धेरायह्राउयात्रायाचे यहायाययायाया धेव हे वेश गुन्य स्वाय स्वाय स्वाय हो । दे नवेव दु क्षे न दर्गे गाय र गुर मः मन्याः यश्राव्य व्यश्वात्रेशः मह्याश्रास्तेः चः श्रुनः वर्ने याश्रास्तेः क्रुः उतः याधीवावावी वदीः ग्रुवायाः श्रुवायां ।

श्चेदिःवेशः चुः नःश्चः नःवे वाश्यः नः वित्रः चुनः मञ्जूनः मः हेन् धिवः वे । विने क्षरम् मुर्मेर् सेर् देशसेर् प्रमा विष्य गुर्ग वार्षिय स्थाने प्रमाने वार्षे प्रम वी क्षें विंत्रत्वरायेव परेवरा शुप्त हुवा धर रेसा धप्ती द्रायर हो द्रायर हि १ठे-सृःख्दे-सःर्वेदःयःसँग्रायःयःदेःसृःग्ःयःसँग्रयःयःदत्रसःतुःयसःग्वदः वया देवाने अर्चेवाया श्रेषाया याने हिन् श्रुण्या श्रेषायाया धेवा हेदे म्चेर्-हॅग्पाराय्देगिहेशमित्र<u>चे</u>र्भ्रयायाया यत्रक्तियायदेख्याया दी विश्वानुन्यः स्मिन्यः सङ्ग्रीया स्मिन्यः सामित्रः विश्वानुन्यः दी सः र्वेद त्य राष्ट्र म् मार्थ मार्थ पावद स्पर्या विद स्था पावद साधिद सामार क्षेप्दि ने द्यायाय राज्य श्रेन्द्री । स्ट नी अळव के न ने स्या नी क्षेत्र खुया यशयद्यारावे भ्रीमान्हें नाममा भ्री त्या वे या क्षुति । यस पावद दे नहें न <u> चे च्या में । हे २६ मा सूर्य ग्रे हे सा सु स सु सम्म सु साम सूर्य मु से साम स</u> यःश्रेष्यश्चरःवसूर्धरःवर्ष्यःयःदेःविवर्तु। शःवेवःयःश्रेष्यःयःयशः ह्युःग्रायार्श्रेम्रायायाव्याययाव्यायव्यायाव्यायाय्ये । षरावसूत्रायरात्रायरावातरारी । देग्ध्रायाधेताते क्यायात्रयया उत्तु नर्हेर्न्सराम्याधिवावावी भेःश्चान्त्रमाश्चे वर्षे स्वरामे रेग्रायायायायावर्ते। हिस्रायार्वेदायार्थेग्रायाप्तरासुग्रायार्थेग्रयाया ग्वित प्राम्वित अप्येत प्रदे सुँग्य गिर्द्ध अप्यो स्टान्य प्रम्य सुँग्यः मशुश्रामालेगानाई नित्त ने हिन्दि र्वे क्षित्र वित्र क्षेत्र वित्र वित्र क्षेत्र वित्र वित्र

वर्तः अतः त्राचारा है। ह्या भीतः वर्षे वारा क्षाया है। या भीता है। वर्षे व ग्राट्स र्स्य स्था स्था स्था या नाम विकाले दारा ने विष्ठा त्यों या सार्थे । हि स्रे स र्रेयार्से र्द्धिम्बरादम्बराधराप्य स्थाने स्वान्ते मुन्तु सामादमेनि साधरा है। नने भुनु ने सर्य में किं न्या हूया है। क्रेंन न्यें न ही या धेन हैं। र्श्चेन'न्देर्वि'र्राधिव'र्वे'वेर्यान्याना'रा'र्ड्यापळन्'र्यम्'वन्'र्ययाहेरा'र्ये यर से द दें वियान विदाय प्रेम के विया प्रायम प्रमुखा दे के सा विगामित्रमात्रमा अवि द्विन्द्विन त्वामानु स्वेता मायाने प्येत् त्वा दे नेवे के त्व्या नित्र के पादेश हैया उर धीव पर प्राया निर्ते । निर क्ष्रवायराने गहेशा शेर्मा में में में हिससायमा मया ना धेवा दें। विवायसा वर्चर्यान्तुः श्रुर्वेश्वरन्ते हे के मुन्त्राय्य्याय्य्यात् स्त्राय्युम् वर्दे स्ट्रम्मेर हेवा वर्ष्यभार्यःवर्तः कुः विवाधायश्यभार्वे स्री वर्ष्युमाने। दे त्यभार्यमान् हिंदायात्रस्य उद्दर्भ न्याया निवे दे के दिल्ली के स्वार्थ है। दे या प्यार सर्द्ध दशासर वया नर वर्त्युर नवे श्रेर रे । नेवे भ्रेरप्रवश्यन् कु सेर्प्य उदार्वि वरप्रवृत्र र्रे । । यरवि वे सेर्

यार्विवरावगुरार्दे । हे क्षेप्यन्याकिराग्रीकारमान्याकार्या व्यट्टायमाय्यमाय्यमायुः भ्रोतिः विभाग्याये । भूष्याय्यमाये । भूष्याः विभाग्यमाये । भूष्याः विभाग्यमाये । भूष्य षरःकु: ५८: तत्र्यः तु: ५ अ: अष्ठअ: य: छे ५ विं त: ५८: तत्रे व: वरः तत्रु र: दे। गयाने प्यान कुते खुरादी यहिंगा प्रशानिक प्यान प्रमान विकास नि कुं त्रहेग् यत्रम् म्यार्मिन्य स्वर्थित्र त्रव्यक्ष तुः क्षे त्या वर्ष वर त्र प्रवर्षित यर होत्रपते तु या हे त्या देवे हो र कु या वर्षा वर्ष या वर्ष यह ग व्यायाप्त्रित्रस्यव्ययात्रायव्यस्ति। । यारायी भ्रीसः भ्रम् देया यान्दर्से त्यावे । ह्या अन् देवासम्बद्धसम्मान्यदेशस्त्रसम्बद्धाः हे सुर्धित्वद्धाः विवा रायशक्तें नाये के विदेश्वरस्य ह्या विषय शुर्णे द्राये के या दे प्यर याविषापार्वित्ययमायग्रुटाचाधेवावे। । देग्धायाधेवावाञ्चराविष्यामा यात्रव्यश्चरात्रव्यूराते। अत्रिवाद्यात्रे विष्ट्रियात्रे विष्ट्रियात्र यात्रे प्रदेशासर्वे विगान्यात्रे प्रच्यात्रा भ्रेताते भ्रेताया वर्गा प्रते प्रच्या नुः पेंद्रायाधेव वें सूत्रात् से स्रात् वदे प्यदारे मात्राय विष्याय देसा शुःदननःसःसःधेदःद्या

त्री श्वरामे विवाद्या विवाद्य

धेव सने धर क्षेर में बेर संहित हैं। विते क्षेर क्षेर क्षेर की विहे राजा है राजा है राजा है विगामायमायन्यमानुष्यने प्रमुद्दानाने साधिनाने। देवे के साविगामासे द यदे ध्रिम्मे । याम यो के प्रमे स विया या मे वे के प्यम प्रमुख सु से मुंचे वर्षे । हि से भूर ठेगा गहेश पाया अ विगाय विंत यश वर्ष अ वर्ष से से वर्रे सूर् भेरासाम्या मुख्या दे प्यरासा विया पार्वि व यसाव वुरार्टे वे वा धेवायावे रमार्सेन श्री हिन्शी भ्रम हेगा मंहेन साधेवा पर पश्चर र्रे । गाय हे पर्ने भूर हे गाय हेर साधे व सामाधेव हे। पर्ने सूर कु पर्हे गा यन्त्रवार्या भीत्रायम् होत् दि । दे । यद्भीया व्याप्त । यदे । क्ष्र-रे-विगान-गी-के कु वहिगान देवे के तरे विगावन्य रातु से न वान गी के। विगा विद्या रेदे के त्र्य अस्त रेपार यथ त्रुर वेश यहें र पर शु गयाने वहिमाराने हिनायशायग्रू में लेखा नेवे के ने सेन साथीय वसा यार यो के 'लें र प्रम् शुम् प्राप्ते वे के 'वे 'वे प्रश्नावत्र शातु 'वतुर वम् हिंद शे ' वर्देन:र्ने।।

न्त्रमः भ्रम्भन्यः निव्यानिष्ठ्यः प्रस्ते । देवे श्रे स्वर्मः स्वरं स्वर्मः स्वरं स्व

यदे समुदे हो ज्ञा मसस उर् सेर सर सुर रा देवे छे। वज्र स तु से नर हे सूर वशुरा ने सूरवरात हूर है नर्गे राहे ने वे वाववा में । ने नवा हरा यम्हेंग्राचीन्या विषात्रायायार्थेम्यायात्रे देवाम्ययार्थे । मयाहे वर्रे खेर दर्भ वर्षे वर्ष्य है स्वार है स्वार है वर्ष पर खेर या अ क्रेव धेव मश्र ने वे श्रेम पदी में व न्या सम धेन में ले व पदी धेन पदी । वेश ग्रुप्त प्रमा विश्व ग्रुप्त व्या श्रीयाश संश्री शाही वर्ष भ्रम प्रप्त विश्व विश् वर्रे वर्त्वुर वेश ग्रु न वर्रे वहेग हेत प्रम्यान प्रवेश अववाय पर पेरि है। ने दे के वार्ड या ग्री या यो दाने किन स्याया ये दान स्याया धिशा विद्रासदर विद्राय पिदास धिता विद्राय निर्मा समानित वि इस्रायासेन्यिके क्रायादी । ध्रियायाय दिन सम्से मेग्रासी । विसादा न'य'र्सेग्रस्प्रद्रा र्'स्रस्ट्रिंस'र्से'ग्रिग्'से'त्रेर् । हेस'तुःन'य' र्शेम्बर्भित्रि । दे स्वर्भित्र वर्षे देन स्त्री स्वर्धित स्तर्भित स्त्री । विस्ति स्वर्भित स्त्री । विस्ति स्त्री । गश्ररःस्वःदरःवहेगाःहेवःवःधेंदःयःवे। हेःक्ष्ररःश्वरःवःविःवरःवदःदे।। हेदे हिरसूरायाया वरे सूर वरे या दर्रे या तर्यस्य स्वा विका हा ना र्शेग्रथारार्श्वेर्यार्शे । वक्कुःविगायाराधराहे सूरासूरायायहै वितायहिन्हें वेशः भूग्नरावश्वरावशा देदाग्यरादे भूरावर्देदा हे वा विश्वान्याया र्श्यायायार्श्वेयार्श्व । यायाते नया सेन्ययायहियायदे हिन्ति वर्ने द्या ह्नियायाहेश्याचा छेष्या सेन्द्रिक्ष व्याप्त प्राप्त हो स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स

मिश्रासंत्रे त्रसायर यह दि यह त्रात्र विषय स्थान

म्याने कर सम्मान्य प्रति से स्वीति ने सुन सुन स्वी विश्वाद्यायार्थेवाश्वारार्श्वेश्वार्थे विश्वाद्यात्रेश्वाद्यात्रेश्वाद्यात्रेश्वाद्यात्रेश्वाद्यात्रेश्वाद्यात्र वस्रभारुद्रात्युवास्य वयाद्युक्त्स्रीत्। विश्वानुःवास्यार्श्वेषाः सार्श्वेषाः नि न्हेंन्यर पर्देन्य विवादन प्रत्ये श्री श्री स्था विवाद ने प्पेन प्रभावे ने विषया । विषय उन् ग्री वे विषय उन् प्रमुन। विष वर्त्वराववे भ्रेरावस्था उर्वावायर प्रमाया वा भीवा है। विदे स्था त्रि होते में व वर्रे मान्ने नार्ष्य वर्षे । धरान्या धरार्थे नार्षे नार् नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्ये नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्षे नार्ये नार् नार्षे नार्षे नार्ये नार्ये नार्षे नार्ये नाये नार्ये नार्ये नार्ये नार्ये नार्ये नार्ये नार्ये नार्ये नार्य हिन्द्विन्यम् होन्यदे। हो अर्दे ह्वेंदि भीव एविया विने अदि ह्विन्य र्'निर्देर'हेर'नवर'मर्'र्'नेर्'र्री । विर्'ग्रेश'ग्राव हेर्न ग्रे'नरेव'यदे ने व्याक्षेत्रहें न्या यान्योश्यादाने यने दायाधेवाया गुदाहें याने हिन दे था नन्दर्भेश्वराया देश्वेरग्वर्ह्नाग्रीलेशन्तर्भे केलेगाधेवलेव वेश ग्रुप्त व्यः र्शेम् रायः र्शेस र्शेष्ट्रा । यादः विया योशः श्चीतः रहेशः ग्रुप्तः वदिश्वतेः ग्रेन्यः भ्रूनः पर्दे । यादः वियाः यः विश्वः ग्रः नः विश्वः भ्रातः पर्दे । यवेनः डेशानु नं ते नर्डे अप्युक्त प्यन्यान ने निर्देश के या निर्देश के या ने विदेश हैं न खुर-५८-५४ूद-धवे-धेरा अर्दे-ध्या है-भू-५-वियानु-वायार्थिन्या र्श्वेराःश्री।

शक्तेयार्गे | न्यायदे नें विश्वायाः विश्वायः विश्व

या श्रे दिं ते या यहिया या या दा धीवा या दे ही । या दा या गावा है या यहें दा है । नदेव हे विद्याप धीव पर से मुदे लेख मुन दे म से पार्व । ग्रव है न देख वःश्वःर्क्षेष्रायायदेःग्रावः वस्ययः उदः चित्रः याधेवः श्री द्यायवे देवः देवायः मर्भावे साधिव कें विश्व नु निर्देश कें मार्गे विदेश पर खुर दर श्रुर निर्देश में अर्रे यशहे अर्र् देवेश मुन्य या स्वाधार स्वधार स्वधार स्वाधार स्वधार स्वाध र्हेन हे या ग्रुप्त पदि रहे प्येव बिन वे या देया प्राप्त प्राप्त स्था ग्रुव हिन है। न्रें अर्थे सेन्य प्रें के स्वायाय स्व न्नरः र्हे अः शुक्र विद्वेवः यः श्रुवः या न्या गुक्र हे नः निर्देशः ये स्थेन व्यव । गयाने ग्रावाहें वाडे या ग्रावित श्रावित या में यो प्रावित या विद्या प्रावित या विद्या वेश ग्रुप्तरे वास्त्री । भ्रुप्त प्रदेश में देश स्था मुरुष धीत हैं विश्व ग्रुप्तरे बळेंगर्ने । ध्रेरपे ख्रान्यक्रादे प्यादर्स्यार्ये मात्रुवायायार्येवायायार्वेवाः र्रेनियानेवेक्षे व्यान्त्ये व्यान्यक्षेत्रायः र्शे | यार वी श्रेर या ब्रायाय स्वायाय दे प्रदे प्रदे प्रदे त्री स है व श्रे हे वे केन'धेव'य'नेवे'धेर'र्नेव'ग्ज'यर'भे'त्र्य'ने'भे'र्नुर'य'धेव'र्ने। ।यार'यो' धिरःश्चे निवेर्टे निवेदः धिवः यादेवे धिरः दिवः छितः वुका हे निश्चवः यरः वुका নৰ্দ্ৰি ।

युन्यः श्रुन्यः देन् द्रियः स्थान्यः स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्था

ने स्थित व के प्राप्त का के त्या स्वाय का के त्या के

धेवा भेरतनेवरमंदेरम्भः म्राम्याधेवरव्यावेयरम्भाग्यास्या यदमा वावव दवाद विवा वी राग्व हैं व ग्री व देव स य राज्य व सम् श्रुरामा ग्राम्भेत्रमान्यूर्याते भ्रूत्रमान्यात्रमा व्यापनेतामा वर्तः भूतः ग्रीः ग्रीत्राद्या हे त्याप्त भूतः मुत्रा स्थारा ग्रीतः स्थारा भीतः स्थारा भीतः स्थारा भीतः स्थारा भीतः स्थारा भीतः स्थारा भीतः स्थारा स्थ यदे भ्रिम् सूरे में दायाधेद दें। ग्रिन हैं नायळद परी प्यया देश ग्रु दे ग्राम मैर्याप्यटान्वाप्यवे श्चेतायम् होन् हेर्या हानायार्थे म्यायाययार्थे । १५सर्या यदी ज्ञायान विश्वा ज्ञानदे प्राक्षेत्राची । ने नश्य दादिश दे के विश्वान प्रा नश्यानरात्रानायावित्रे उगायनराया थे हो रार्ने विशाई रायर हो रार्ने । श्चित्र-दर्भवरकेशः श्चित्र-पीर्श-दर्भश्चित्राचित्राच्याचेत्राच्य-वित्राच्य-न्यमासदिः नेम्बरम्बरम्बरम् वाचित्रम् वाचित्रम् वाचित्रम् विकासिदेः क्रॅनर्भाग्रीभाव्याभारते हे भार्यान्ययामभार्या सुनानते सुनाने । । ५६०। र्रेन्निमान्वर्त्त्वर्त्रान्तेवर्याधेवरहे। देख्रमः श्रूम्यान्वविवर्त्त्वेशः श्रुम्य क्षेत्रामें । प्यत्वित्रे त्रेत्रार्थायायायायाव्यत्यवित्रः त्रेत्रे व्यवित्रः त्रे हो देशवः ननेवासकेनान्य केनानेवासकेनाने केन्यायान केनाने वेश ग्रु नदे च के वा से दें रायदे ग्रे ग्रामी रावेश सूस र् न रायस रादे।

श्चित्र-दर्भत्यः द्वादावायः वाष्ट्रायः विद्याः शुःश्वदः प्रवेः श्चित्रः देग्रथः प्रश्नाम्य्यायः द्रियायः धेत्। विष्यः त्रः प्रायः सेव्यायः सेव्यायः सेव्यायः न्दे न्तुः अप्यः इस्रयः ग्रीः न्यः न्यस्यः मे द्वार्यन् इस्यः यन्यात्रयः य ने नसून परे हिम् ने सुधिव व पर वेश हा न या से न साम हिम परे अन्-न्-वार्यास्यास्य स्वया श्रीयादी निर्देशास्य स्वयं दिवान्या स्वराष्ट्रीयार्थः वेशःश्रूशःया द्रमुःश्रामश्रदे द्रम्श्री स्राम्य देव द्रमाय द्रभेशः श्री वेशः गरःश्रुअःयःदेःयःधेदःदेःवेयःदगगःयःदयःग्रेदःयरः बदःदेःवेयःवन्दः राधिवार्ते । क्षिमार्नेवायने विश्वायायाधी । हे या शुष्य व्यवस्था व या श्रीप्य बेर्। विश्वान्ताने देशेर क्रेंन स्वाप्य होराया धेना के नाय देशे देन ने र्देव'न्य'यर'य'भ्रेसे अपर्दे लेया ग्रु'न'धेव हैं। । नावव खदर ने नवेव श्रुर नरःश्रिभा वेशःश्वःनःयःश्रेषाश्रःमःतेःहेषाश्रःमरःश्वरेषा । यःरेषःसः दर्दशः रॅर्झानः इस्रयाग्रीयाञ्चे नायार्थे नायायर्दे दायावेया ग्रानराञ्चराहे। र्शेग्राश्चर्र्या संदेश्वर्यात्रायायार्थेग्रायात्वराटेश हिःष्ट्रातुःविगास्त्रया यायायन्त्रा रेग्रायायमायहेवायाउवा वियाग्रायाञ्चेरार्थी ।गरा न्यायी सूर्याय पर्देश में इस्य राग्नी वेश ग्रुप्त र्सेश है। या ग्रुप्य पर् र्शेम् रामाने मान्यदे त्यसाया महेत्र माने द्रामी में में दि नि त महामित्र से द मंक्षेत्र्त्यर्वेद्राचित्रभेत्रम् । वर्षेषाय्यम् ग्रेत्र्यते प्रश्नेष्य्य नविवासेनामहिनान्या हे विया यहिना हे विया यहिना । हे साहा नवे के ना वरे अ ने नावन प्रामी अ प्राप्त अ स्व अ अ प्राप्त अ स्व अ अ प्राप्त अ अ स्व अ अ प्राप्त अ अ स्व अ अ अ

वर्दे सूर क्रें नाय श्रें ग्राय में सूर सूर या निव क्रायर ग्राय या निव स्थायर ग्रायय या दे द्या दे याद यो श्वेर अर्दे द शुश्राय श्रेयाश्वाय पद्द व्याय वर दशुर व दे स्रमः वे से पर्वो वा यो । देवा या या है स्थाना न विव र पर्वो वा से। है स्थम वा वव र र्देव:द्रशःयरःश्चेदेर्वेव:द्य:दे:व्य:देग्रव:य:श्चु:व:ह्रव्यव:ग्रीय:ग्ववद:द्या: गैर्भर्देवर्म्भरमःवेर्भरमुन्दर्भदेर्भेदर्भरम्भःस्य स्थानम्यारम् यानहेवाव्यावर्गेयायरा हो दाने दे न्यू धेवावर्शेया दे विश्व धेवावर्शेया दे विश्व धेवावर्शेया है विश्व के विश्व क न्यायम् याञ्चे या वेया ग्रामायमे या ने निम्माया वेया ग्रामये श्रुवे में निम्साया वेया ग्रामये श्रुवे में निम्स धेव वेश तुः न त्यः श्रेम्य प्रस्थ मार्वे ५ र श्रूयः समादः धेव र परे पदि त्यः श्रे श्रेन्द्रें स्रुयात्या हे वियायार्वेन् हे या ग्राचार्य स्थित है। यन स्थार में वार्य यम् भेट्रें विश्वानु नियम देव म्याया विश्वान्य भेट्रें देव प्रदेवा हेव ग्रीः इस्राधरायहें वा यावाराधेवाया दे हिन्देवासाया ह्यावसायवीं वा यर ग्रेन र्दे। ।देवे प्यरम्य पर्देर्वे स्वे अन्तु याया स्वीय सम्बद्धे वा दिवा देश वर्त्वरायायन्त्रप्रस्था देकिराग्री भेराने अपना मुक्ता वारा गी भ्रेर रें व रवा पार्ट अध्वर प्रदेश्वर ग्रव हैं व है र रें व रवा प्रदेश हुर

नर्हेन्यने केन् केन् केन् गुर्हेन के या कुन के वा या के व नविव हेर वे में में हेर में विव विव विव विव के निव में निव में मान शेन्द्रभूस्रायाया देवासादे प्यदानेसा गुन्यासार्भे वासाया भूताती दे स्था धेवववे देग्रायायायायाव हैं न विवाधेव वे । विवेधेरावे वा हे सूर बूट नवे दें केंद्र प्रेव प्रवे श्वेर दें । दे केंद्र हे वे श्वेर खूब प्राया देवा वा यदे वेश मुन्य संग्राय स्र्रीय विदेशी मन्त्र पाय पावव र देशे वह्वार्चे सूस्राया वरे सूर्वे शन्तायार्से वार्यास्र राहे। वरे द्रा यर द्योवायर हो हो । हो अ शुर्पया य र दर हो अ शुर्पया यर हा य वर्द्धरावी विश्वास्त्र सुरार्से । दि स्वरावे व र्से या न प्राप्त स्वराम गीर्थासूरानवे के रार्शे | राया वे ता हिंदे निना हैराय है। वि सुन्तर वे वा केंग्राचन प्रमा केंग्राप्ता द्ये केंद्र दुः इयायर पाववायर र्री।

देवे से मले वा हे अ शुन्यवा माय द्वान वा से मले में हो हो मले माय स्वान माय द्वान वा से स्वान माय स्वान म

र्देव'द्रस'रा'धेव'रार'रान्निद्र'रा'धेव'र्दे। विस्रामानावव'यद्र'रान्निद्रम। यद व्रभ्नेर्न्यार्थेन्य्रायान्याम्याप्यायाः विष्यान्याया यदावेषान्यान्ये सुदि रेग्रस्य प्रत्यत्व विष्य द्वार स्था बर्द्य स्था विष्य विष्य स्था विष्य क्षेत्र स्था विष्य क्षेत्र स्था विष्य क्ष ᢖ᠂ᠴᢃ᠂ᡩᢅᢋ᠂ᠵ᠋᠋᠋᠋ᠵ᠃ᢩᢓᢅᢩ᠊ᢌ᠂ᢣ᠂ᡜᢂ᠉᠂ᢐᠵ᠂ᡜᢁ᠂ᠴ*᠂*ᠵᠵ᠉ঀৢᢋ᠂ᢣᡆᢆ᠂ᢓᢧᠵ᠂ रेग्रथाराङ्काराङ्गर्थ्य ग्रीयार्देव प्रायाः हेन् न्यदेन पर्वे । ग्राव्य न्याः वीर्यादे क्षेत्रुं प्रासेद्रायायार्थे वार्यायावर्षे वार्यायाया प्रदेश ह्या या विराह्य कार्या केन्द्रावर्देन्छेशान्यमञ्जूमाने। द्रवावर्नेमञ्जून्यानाद्वस्थानीः स्रमान न्द्रभाशुःश्रृंदायाक्षेत्रायदान्यायायीत्रायवे श्रीत्रार्ते । ने श्रुवायदाने भागः ननिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रम्यायायानहेत्रम्यायास्त्रे। यद्दिन्द्रिनायदेग्यहेना ग्री ग्राव हैं न ग्रम्यावव या देव न्याय प्रमावव या वे संभित्र हैं विश ग्रुनायदी खेना अपस्य इंद्र अप्ते। खेना अपस्य में निस्तु अपस्य खेत है। दे वर्दे हे सूर प्यता न्याया गुः वेद रासा प्येत रासा । प्यतः न्या हुः त नग्राना सेन्या विकानसूनका विकानसूनका विकानसून । विकानसून । मु:भून:ग्रेश:नन्द्रा वाववं क्याय व्यादि रः श्रेष्ट्राचे देव द्राया राष्ट्राच्याय वाववं क्याय विकास स्थाय विकास इस्रायरम्बनायाञ्चे नायार्थे नास्रायम्बन्यानायायार्थे वास्तर्भे वास्तर त्री:वेशन्तु:व:दनु:अ:पवे:ग्राव:हॅच:धेव:वें। ।वाय:हे:हे:क्ष्रूर:वाठेवा:विंव: गठिगानी दें त'द्रस'स'धे द'या गवद शी दें ग्राद हें न'धेद वे दा हैं स'सदे हो ज्ञानी अरे के के अर्थ के दर्शे वर्ष वर्ष क्षेत्र स्त्र से दर्श के ना कि ना कि ना कि ना कि ना कि ना कि ना कि

नेदे नुदे ने अधीन त्या अने हे न पावन में छूट अधार धेन या नविन में। लर.ष्रेश.चे.यदुःश्चे.यु.र्यंत्रायावय.र्.श्चेर्यंत्र् ।पि.व्याःश्चे.र्ट्यंत्र्यं नुवेन्द्रस्यार्थेन्द्रस्यायाः ह्रेषासायमः ह्येन्यवेन्ध्राव्येषायान्द्रा धरः <u> न्वायि क्रें ज्ञायमें वायि सेवायाया वाया प्रवाय क्रें ज्ञाय क्रें क्रें ज्ञाय क्</u> न-दर-दे-हिन्याय-प्रमः होद्र-प्रदे-ळद्र-या-दे-क्षूर-युद-न-विद्यान्य-या-या-<u>षरः सद्धं र र में मित्र के मार्थ भी खुवा है भी राजि वर्षे र परे र पर मीर्थ</u> वे नग हुन् वे न अप्ये न है। विन म ने म अप उन् हे न म न सूर्य न यह । नरः क्रेंब्र सदे श्वेर में श्वूष्ठ पुरशेष्ठ राते दे शेष्ट्र पर्दे प्र परे दे प्र प्र प्र नशुःनरः ग्रेनः ने। ग्रावः हैनः ए। यदः बेशः ग्रुःनदः श्रुः वे देवः <u>५सम्पद्यव्यविषार्</u>ग्सा वर्ग्यी विश्वानुष्य । स्रीः क्रीः विश्वानुष्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विश्व सर्कें व राधिव है। दे हैं ग्रायर हो द रादे कद सावे या हा नर पद रे व श्चरहे। दरवेश ग्रुप्तरे श्वरादे दे देंग्यर पर ग्रेट्य हे स्टिय स्टिय नुर्दे। दिग्रयायदे र्स्ट्रेनया ग्रीयाद वियानु ना दे। दुःसय दर्देया से ग्रीया भे भेत्र विकास्य विवास स्थित विकास स्था विकास

श्रीवाश्वासायहेव.सर.श्रायबर.सपु.क्षेत्र.क्षेत्र.स्वाश्वासायहेत. मार्वित्रक्षेत्रीर्द्वरहेर्वेश्वानाद्वे क्ष्मायर्वे । स्थायनविदर्वतेश्वानाद्वी र्वेटर्र्र्र्यर्म्यर्भुयम्बर्धायम्बर्धयास्य स्वर्धायासे न्यति स्वर्धायाः वहें व सर से देवा या थे। विस्था सार्क दास से व से सर हो र दिया था से स व डिना विश्व है अन् न स्व राष्ट्र न विश्व के न स्व राष्ट्र न विश्व के न स्व राष्ट्र न र्वे विश्वान्त्रान्त्रे कुप्तरावन्त्रशानु हिन्दे वित्रान्ते ना नुष्यशा दर्स्य संग्विमा से होता । त्यय त्या होत्य धेवा । विया हाताया श्रीश्रायान्त्रक्षित्रश्राश्राक्षात्रे विदेराय्य निर्मा हैं। कु के तर्भे वे ते र उत्र हिंद श्री अ निर क्षू अ मा दे नदे तर है। नह ना के नर्भे न राक्षेत्रक्षेत्रक्षा । देवे धेराव पदि वे नर्डे आध्व पदि अ श्वा या हे वे कु प्यका রুদ্বের দ্বাস্থান্র ন্যান্ত্রীরমানর স্থাতর বীমা মদ্মান্ত্র মারমমা उदःग्रीः खुवावावहुवाः सः धेः वैशः श्रूदः नवैः क्वुवः वः श्रेवाशः सवैः सर्दे वश् हे सूर सूर नविव धिव धर मर म्यूर्य

बक्षियामें । क्रियायासम् अरया क्याया यात्रया स्वया नेयानयार्श्वी नित्रवायायि इसामान्द्राच्यानदे सुन् दे सून केयाया सुरा राधिवानी। स्वाराने स्वराने स्वरास्टानिवाधिवाधियास्य मुसारा वे साधिवार्वे स्वरा र्नेग्रायानर्क्षेण्यवे धेरानन्त्रा ह्या हुर्ये र्यावयय उर्त्वि । क्रियायात्र स्थाया क्रियायदे यात्र या स्थाय स्थाय । स् ह्री वर्ने व्हरा वर्ने वायमयायाय के प्यान हे । वाववाय मान्य के प्यान मेन्। । प्यतः नवा केनः व्याप्यतः नवा भ्रा । प्यतः नवा सर्वे तः व स्याप्य स्वी । वेशरव्युद्राद्द्र। व्रिश्चस्रश्रागुद याययाम्बद्धारम्ब्रय्यार्थे। । यदे यस्यानेग्रयाद्दात्रः वेया ग्रुप्यादे। भे भे निर्देश्वेश द्वर्य अधिव प्रमा दे निर्वा ग्राम भे निर्वा ग्राम भे निर्वा ग्राम भे निर्वा ग्राम भी निर्वा भी निर्व भी निर्वा भी निर्व भी निर्वा भी निर्व भी निर्वा भी निर्वा भी निर्वा भी निर्वा भी निर्व भी निर्वा भी निर्व धेव निर्देश मा मान्य विवादि । त्या अभित्ति । विष्व विष्ट्र । भूमा भी निष्य वा बुवार्यात्यःश्रीवार्यायः पूर्वेर्यायः स्थार्यः भुः वः प्रदर्यात्रयः या व्यायः विद्यायः व हेन हैं ने या श्रुप्ताय ह्या यम हो प्रश्रुयायाया निव्याय सळन सम वहें वर्धि दें मास्रासे दर्धि द्राया वर्षा वह मास्री ही वर्षे गर्भी निमा ळग्रायशा तुरावादियाचे रास्त्राच्या विष्याच्या विष्याचे विष्याचे विष्याचे विष्याचे विष्याचे विष्याचे विष्याचे विषय नह्यायायासेयार्वे नवे सुरासे सावसायाह्यस्य है सुरायाद्यार्ये । यादा शुर्यार्थित्यादे द्यायादे अत्रित्र हेश हुदे । होत्यदे हें शहे। क्रेंप्य हो र्शेनामः प्राप्तः स्वा व्यामः या स्वामः स्वामः स्वामः स्वामः या प्राप्तः प्राप्तः स्वामः स्वा यर अर्देव पर लेव प्रश्न श्रुद पर्दे या श्रा हि श्रुर श्रूद प्रते होर होर होर विश्व प्रश्न श्रुद पर्दे या श्री विश्व प्रश्न श्री विश्व प्रश्न श्री विश्व प्रश्न श्री विश्व प्रश्न श्री विश्व प्रश्नित श्री विश्व श्री विश्व प्रश्नित श्री विश्व प्रश्नित श्री विश्व प्रश्नित श्री विश्व प्रश्नित श्री विश्व श्री विश्व प्रश्नित श्री विश्व श्यो विश्व श्री विश्य

द्रीयाहे भूत्वत्वित्यते त्युत्यते त्युत्यत् त्यत् त्युत्यत् त्युत्यत् त्युत्यत् त्य्यत् त्युत्यत् त्य्यत् त्युत्यत् त्य्यत् त्युत्यत् त्य्यत् त्यत् त्यत्यत् त्यत् त्यत्यत् त्यत् त्यत् त्यत् त्यत् त्यत् त्यत् त

शुः इसः धरः ग्वागः धः वे देगा सः धः प्रदः ध्वः धः धेवः वे । वे ः स्टे ः दे ः सूरः प्रश् यदे सक्त हिन्य धेत्र याया वे या ग्राम हे हे सूर सूर मदे हें से साधेत श्री रेग्यायते हे अ शुरव्य र न हे र ग्री अ विश्व स्वर अ यदे रे वि वि व्या वाया हे 'ग्रुव'हें न 'हे अ' हु 'नदे 'क्षेट' रू 'दर्दे ग्रथ' न 'हे 'ख' हे 'ख्र' हु दे 'हे अ' स' नहें ह गुर्ह्मार्चि र्वा या पार्वे द्राया के प्यार से द्राया विव र द्राया विव र द्राया के द्राया विव र द्राया के द्राया के प्राया के विव र धेरःर्रे। । १२ अ.स. स.स. स.स. १ व.स. के व.स.चे. या वव छी. ५ वट की हैं। उदानावदान्यार्देदान्यायदे रुष्याया ह्यायर स्ट्रा विदासूदा या रेष्ट्रिया वरा होत्ति। देवियायाने निर्देशमें इस्राम्दिन न्यास्य स्रोत्रामित प्येतः वा निवे के हेवे हि राव पदी पा से प्रारं वा राय के प्रारं <u> ५:न-५८: ह्युः त्युःवः श्रें वाश्वः संदेः दें र्वे दें दें र श्रें द्वा श्रे श्वरः वाश्वरः देशः सरस्यूरः </u> विश्वाचायायी स्वाप्तायी स्वाप्तायीय स्वाप्तायीय स्वाप्तायीय स्वाप्तायीय स्वाप्तायीय स्वाप्तायीय स्वाप्तायीय स्व यानुरानरानुयापवे र्ह्वे उदाह्मययान्ये याहे सूरायर्वे राजावहै वह से। वह क्षुनुनुन्यायार्थेवायायायदेवि से त्यार्थेवायायये कुष्टि त्ययासून हो देवे मुरादि तास्त्रारा हे विगास्य नराम् केंत्र सामुरान हे परास्थार से रामेर वेश गुःनदेश केंगा है। वर्ने हिन्य गुःन्य राज्य राज्य सामा करें रहा सूर नन् उया विर्ने यापान्ने न्याया काने उया सूराहें । विर्ने या हिन् ही हें र्श्वेन्या गुरानवे क्याय ने के प्यार के श्वरान ने प्यारे प्रानुवे रिकारे विर्देश

र्ने हेर्या मिर्ने उपाय हे लिया पदी दे न या व्या में स्था में स्था मुद्रा या बेन्यवे धेन हिन्छे वर्षे नयदे ने ने ने बेन्य केन्य किन है। वर्षे क्षर ঽ৾৾*য়*৽য়ৢ৽৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾য়৽য়ৢৼ৽ঢ়ৢ৾৾ৼৼৼৼয়৽য়ৼ৽ঢ়ৄ৽য়৽য়য়য়৸ৼ৽ৼৼৼয়ঽয়৽ मश्रासर्वेद्रानि द्वानी करवेगान हेंद्राम् नुवेष केंद्रास नुद्रानि देंद्रा नर्हेन्यम् ग्रुम्बे के प्यम्बेन्द्री । देवे श्रेम्के वे श्रेम्य कु पदी प्यमादेम ब्रूट्यायदी श्रुप्य हो बो बो बा हाया है। ब्रुप्य हो यह वि व्यू हो हो बा हो हो है। बॅर्माराक्षे र्देनक्ट्रिंटायायानहेन्यायनयानेगात्वरार्दे । गान्नायमा भ्रे में भ्रेंदे में र उद यार विया अयह याया दाया अर्दर मुंच था श्रेंगश्रायाया हिंदा ग्रेशाह्या यस माश्रया यस स्वेदा प्रदेश न्धेग्रथानविवर्त्यरक्षे नेशने यदे वे दे स्वर्धे वेश्वर्थे में ना दे हैं न्या लुशा च्याश्वाश्वारायावयाता. शुष्टा होराया च्याश्वाराया वर्रे श्चानर र्रेश विश्वश्चर्य । याययग्याय प्रत्या नवर र्ये या प्रे मर्दे। भिः नेश्रामा दे सुदामा है। भेशामा मिं दापरे मा दिशा है साम द्रश्राणी ज्याक्रयायाया संस्थाता क्षेत्राया क्षेत्रेयाया हित्राया हित्राया सूसर् न्यस्य पर्दे हिंद्र पर ग्राम्य स्ति हेंद्र पर धेस है ग्राम्य मर्दे॥॥

न्यार्थे माश्रुयाया श्रुष्टाया । न्युं वाया स्त्रीं निह्न वायो गुवा हिं नावी । न्युं वाया स्त्रीं निह्न वायो गुवा हिं नावी । या विष्या वाया स्त्रीं निह्न वायो । या विष्या वायो । विष्य

वेशःग्रदःनहेंद्रःयरः भेः व्याने। यदेः स्रूरः नहमायः यः गुवः हें नः वेः मावेः दरः नरुश्रास्त्रे। यटान्यासरीयावित्रटास्त्रासान्ते त्यायायारा दिशासीयाटाया लर.श्र.ब्रूट.ट्री निट.ज.श्र्याश्र.चार्यार्यश्राचे यावे लज.चा.ज.श्र्याशः मञ्चरमासाधितवसावेन। मह्त्रमाधितर्तेन्स्रसात्रसान्तरमा निराया श्रेवाशरादे देव क्री वादवाशरादे प्यट वावे स्री देव द्यारायदे क्रु वा क्रिंशमासाधितमाने । विदेशहर्मिन विद्यासी विद्यास दे'प्ययानायार्थे न्यायाप्येदायम् व्यक्तम् ययानायार्थे न्यायाप्याचे प्यम ळ न्य न्य न्य व्यापित होत्र विष्ठ न्य मानु मान्य मान्य विषय क्षेत्र हो। ने निवेत्र रु: र्ह्मे अः इस्राध्य मिवेग्रस्य मान्ग्रस्य मिवे स्वाधास्य स्वाधीः नर:र्:ह्रस्य:सर:ग्राव्याया दे:प्यरः। ग्राट:यःश्वरःस्वायःस्वायःप्रित्या। ने यः भर ग्रे से वारा कवर पेंदा वार से र स्वाय से वारा सम्माणिया र्द्धेम्रथःकः मन्द्रः स्थान् ध्रद्राक्षः स्थेदः सार्विः कः ध्येदः सार्विः कः सार्वे स्थान् स्थान्यः स्थान्यः स गुनः हेन समान्याया यदे हुने समाया विन्दे ।

ते भ्रम्भ्यात्र क्षु क्ष्यायम भ्रम् भ्रम् भ्रम् क्ष्यायम क्ष्यायम

यन्त्रे के त्यर्थं न्यं के प्रत्ये के के प्

देश्वन्यत्रा हे स्ट्रिस्ट्रिट्य प्रति विश्व विश

धेव हे वेश मुन्न दे। नहम्भायाम विद्यान स्थाय प्राय ययर भे सूर हैं। विश्व ग्रुप हे ने हे भे प्येत मर्दे। विवे में में वा गहन क्षेत्रभाग्नारामे भ्रिस्स्यावर्धेस श्रुन्धन स्मान्स्या स्मानार्धिन भ्री स्मान यम्। नहन्यश्रामिते में किन्या बुम्य प्राम्य प्राम्य स्वाप्त किन्ति। कु डे या पर से दें राम मिं न पेन में । इया वर्डे म क्रें न मान वर्ने न मि र्देग्रथःयः नशुः नरः हो दः देषः हुनाः हुन् । हुनाः हुन् । हुन् । विषः हेः बेर्'मदे भ्रेर के के के के के कि यन्ते मिठमार्वि वर्से द्राया धेव हे। हे अद्गुद् द्राद्य संवे सक्व हेट्यी श र्रेन्द्रिन्सेन्द्रेम्न्यून्यः स्ट्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रम् नविवर्तुः प्यम् अद्भव्यम् दे कुः यः अद्भव्यः विदेशे देवा स्यापितः र्वे। हिः क्ष्ररः सूरः चः चित्रं तुः गुतः हे चः तुः व्येतः चारः व्येतः यः देः तेः देशः यरः कुःयाद्वेशायाधीवार्वे स्रुवायायदे धीवार्वे। ।देवे धेरायदेरायवा वार्षेवः शुअन्दरविषयानागुन्द हुर्से दाने विश्वान स्थिता है।

यदीःयः याद्राची श्रांत्रः श्रुं अः दृद्रः यायायः यद्रः स्वां याद्रः यायायः यद्रः स्वां याद्रः यायायः यद्वः स्वां याद्रः याद्रः

ववायानान हैं वाद्यावर है। वदे सूर हैं वर्षे त्या श्रेवाश्वाय प्रदान दे वहें वासर <u> चे</u>न्यःश्रॅम् कम्राम्यस्य उन्यो सर्दिन्शुस्य न्युनःश्रेष्य । प्यन्य स्यार्थः वर्देन्यवेर्देग्रायान्युःनराग्चेन्ते। इयायरानेयाकेत्वेरावेशयोनः यदे दें वेद्र । सर्वा प्रश्राम्बर्ग वर्ष न प्रदेश प्रस्थित प्रस्थित । ॻॖऀॴॸॻॖॖॻऻॴॳॱऄ॔ऄॕॸॱॻॸॱॻॖॴॳऄ॔ॗॎॸ॓ॱॷॸॱढ़॓ॴॻॖॱॻऄॱॻऻॿॖॸॱॻॱॸॸॱ वहें त्र परे हें के रहे। यहिका पाया कर्ति पर वेत परे निया कर्या करा थी। गिहेर्-अ'अ८अ'अ'र्ग'मी'गिहेर्'ग्रेअ'र्देद्र'अदेशेअअ'त्रअअ'ग्रेअ'हेंग्रअ' यानिवर्त्रहेंग्रायार्थे वे त्रा देग्रायास्य न्यानिवर्षा हेंद्रियात्र वनायानः सुनाया हिंदाया वर्गे नायमः होदाया सुनायम् । सुनायि सुनायम् । मुँग्रायायहेव.तथायवेष्ययाराष्ट्रामुँ मूँयायवर्गेन्यरेन्यर्थान्याया वार्श्ववाशायवया अर्देवासराया वेवासवे वावशास्त्रवशास्त्र हिंदा ग्राटा सुरा हे। वहुनायवे इस्रायम् नेसायवि ना बन्याया स्वीनसाय हिन् न् हिन्स ॻॖऀॎॸ॓ॱॺॺॱॺॱॻऻॸॖॕॻऻॺॱय़ॱॻऻॿॖॻऻॺॱॸॸॾॗॗॱॺॱऄॕॻऻॺॱय़ॱक़ॆॱऄॸॱॸॕऻॿॎ॓ॺॱ ठुःनःने ः भः नुदे : श्रॅं रःनः वे : से नः ग्रे : इसः सरः ने सः सः वर्ने : वे : वरः व : पावसः मने दें ने भी करते।

विंत्र धित्र है। ने ध्या क्षे ना से ना स्वा ना स्व ना है ना से ना स्व ना ना स्व ना है ना से ना स्व ना से ना

देवे भ्रेर हे सूर व मावव भ्रे प्रदर्भ मा बुर मा दि । यह व स्वे इस्रायराञ्चर। जायाने सारेजायसार्याज्यासारि द्वेराने व्हराञ्चरारे वे वा नन्द्रा अन्त्रमाम्बर्म्यम्बर्मिन्द्रम् स्वरम्बर्मिन्द्रम् स्वरम् वेशः ग्रुप्तः वे । प्रश्नास्त्रार्धे । ने र श्रूर्प्तरः रेग्नश्रारं वे संधिव हे प्रसेयः नःसेन्यदेः ध्रेन्दे लेशस्या विषया विषया विषय विषय विषय ग्राबुदःचःददःषद्देवःमदेःह्रस्रामःदेःहेःग्राब्दःश्चीःद्यदःदेवेःयद्याःहेदःदेःवेः हैन वे संधिव के । हिये ही मासाधिव ले वा जानव ही नगर ने वे ननग हैन वै मा बुद न पदि दि स्व दे दे दे से मा है अ ग्री अ द ने व स्व रे श्री से दे हैं । पदे ख़ धेव व धरायावव श्री नगर मी गर्ना हैन ने खूर गरा गहेश में हिरे श्री र बूट्य डेवे.ब्रेट्रेन्येट्यर से.वशुरस्रुस्य न नन्द्रम महेरार्थे प्र गलकःश्चीःन्नरःनुःवर्द्वेषःनःभेन्यवेःश्चिरःमे । श्चिरःनःवेःग्वरःगेभःन्वेवः यवसामार विमामार प्रायने या सासे राम हो हो सूर मान हो से सूर है।

न्येर्स्य इत्ये इस्य प्रस्थित्य विश्वास्य विष

यःर्रेयःर्रेवःरी मान्दःक्षेमार्यान्तेयःर्ये यान्तान्त्रे। यदे सूर्यः रेग्'प्रश्'र्गुग्र्याय'यदे'मुर्नेय'तुःग'दिश्'प्रदेय'प्र'श्रुय'वेद'र्हे'वेय' बेराता यतान्वराया गयाहे रोष्ट्ररायवेयाया वेराया थेताता देवा कें महिरासें राप्ते विराधिः विराधिः प्रियापि स्टामी में मिनि विवादा सामियापा प्रा वर्रेषान्दे भेरा वावर नगर हेर र्रेस हे स् र्रेस है स् र्रेस स् भे नुरुने। यदे सूर हेगा ने रागहेश में राद्वेद राग्वद शे द्वर शेशशन्दाशेशशायशा शुद्रानदे नद्या हेत् त्र वर्षे ता प्याप्त या वर्षे शे न्नरक्षेत्र्र्च्या स्रो मान्यस्थि न्नर्याक्ष्र्र् यायत्रेयामधे कुपदे वित्रमा यत्रेयामधे कुप्ते वित्रमार्थे कुप्ते वित्रमार्थे कुप्ते वित्रमार्थे क्षामधे कुप्ते वित्रमार्थे क्षामधे कि यद्यें प्रदेश दे न्याय दे न्याय व न्याय प्रत्ये व न्याय व व न्याय व न्याय व व यादायायाहे अर्थे दे सूदायदे ले अयादे हिंदा कु द्वा के वा की दायदे धिरःगाल्वराग्रीःन्नराधिवाग्री। गहिशार्याद्वीं साधिवार्वे लिशान्यानरायर्ने ना देवे भ्रीत्र निविद्या निवाने प्याप्त के या प्रित्त मुद्द में द्व स्थय भीया भ्रेन्द्रित्वा नायाने प्यत्वेशा ग्राम्य विश्वा म्या मेन्द्र प्यत्र मेन्द्र स्था मेन धीव वि । नि । धार सर्देश संस्था ने स्वावित क्षेत्र नित्त नित्त क्षेत्र स्वावित स्वावित क्षेत्र स्वावित स्वाव स्वावित स्वावित स्वाव स्वाव

यदी स्ट्रम् ने याया वावन दो या यादा न न या विदान हवा याया सर्द्ध दया है। नेशमान्वराने प्यरामहिका ग्रीकान्त्रेव मार्चित प्येव हैं। । ने व्हाव प्यरा वर्रेषायासेन्यवे स्रिन्ने सून्य वादेश में वी के वे स्रुन्य वर्ष्य वेशन्त्रातात्वार्श्वन्यात्रात्रम्यात्रम्यात्रम् । प्यराद्देत्रात्रम् । प्यराद्देत्रात्रम् । कुषायाभूरानामाव्यान्यास्य गार्केयान्य हो प्राप्त परान्याप्य प्रम् अःभ्रेअःमा । भ्रॅंगिन्वअःतुःयः श्रॅगियः नवितःत्। । ग्रवः क्रॅनः तुः प्यदः भ्रेः बेस्। । षटा बेश ग्रु. नदे श्रु वे 'र्ने ब 'र्न स' प्रचय बेग 'र्नु स' बन 'र्म हो । र्ने ब <u>न्यायरायाञ्चेर्यायदेर्देर्भे केनायारान्याधेवायाने न्यावे ग्रावार्ह्य क्रियार</u> वर्जुर्न्न वर्षेन प्रमुक्त हो द्ये म्य के मान्य के मुन्द में के विद्या के वि नुःयःश्रेषाश्रायःविवादी । पात्रुषाश्रान्दाः स्वायःश्रेषाश्रायः पदा देवः <u>५सामरासाञ्जेसामदे रहानविदानवाधिदामावेसा ग्रुपादी । व्यापराग्रेहा</u> रासी न्रीम्याया सूर पर्के या परि सुँर न्या धित स्ति। विदे से नसून परमा वयः नरः नक्षुनः यः विनाः तुः वयुरः ग्राटः क्षे। क्रायः नाव्वतः वे से दः यदेः धेरः

देश्यः तेवाश्वरे श्रुवाश्वरे श्रुवाश्वरे श्रुवाश्वरे श्रुवाश्वरे श्रुवाश्वर श्रुवश्वर श्रूवश्वर श्रूवश्वर श्रुवश्वर श्रुवश्वर श्रुवश्वर श्रुवश्वर श्ये श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव श्यूव

यदी भूर द्या पळ प्रतर्रे द्रायश रहा वी क्षेत्र भू वर विश व्हरमाने। विभाव्हरमान्याधरायर्देराचरावेरायमायायायरासरावीः क्षेत्रान्द्रायायानाधेन्द्री विमायादिन्स्यान्द्रमान्द्रियान्तरम् यान्त्रियाया भ्रमायागुराह्त्यापुराक्षेत्रेत्रेत्वयात्रयाय्यार्थावयाञ्चा नररव्यूर्यन्था नायाहे दे नाडेना समहिनासाद लेसा ग्रामा क्रिंस है। दस नरुश्रास्त्रेर्टेन्द्रिन्त्रानुनास्त्रास्त्रा ।देविश्वानुनिन्द्रिनार्वे । नेशक्षक्षात्रुक्षक्षात्रिक्षक्षात्रिक्षक्षात्रुक्षक्षात्रुक्ष यः श्रेंग्राश्रास्याने : श्रेंन्यम्रम् हों । श्रुनायाने वित्रम्यान्न केंग्रास्ते। यदः न्यायरात्रास्रुरायदेर्टेर्निहेन्दिन्धेत्राधेत्रात्रा नेष्यरास्रायान्यस्त्रीत्रायः हेन्सेन्सवे धेर्ने विश्ववात्रमात्रवात्रा विन्यावायाते ग्रुन छे । विश्व ग्रुन्न नर्षे ग्रुन हो ने सूर गाहत से ग्रुन ग्रुन । गुनःमदे भ्रेरःवरे भ्रिंदःवाहेशायाधे वाशी वि र्वेदे वे नाहव के नाश गुनःह

विवासायान्य विवासायान्य स्थाने विष्ट्री स्थिति विष्या है या सामित्र स्थित स्था देरके निर्वायके अप्यासेता विका मुन्य सेवाय संस्था विक् विगायाहिं निर्मित्यायान्द्र क्षेत्राया गुना ग्रीन्य या वे साधिद दें विया स्थानरा वशुरावर्षावन्तरा वायाहे रायाळ दाराधे या शुवादावाहदाळे वाया वेश गुरा भूगा सर्वे । गुरा हेरिययर प्रिया कर सम्माग्रीय संवे रहा ययरासामुनार्ने विसानहें नामरारेग्रासासाधित र्हे स्रुसान् नसससामि निःक्षत्रः परायदे विदावित्वः वाके याया प्रवाची विवायाया व्यवाय विदायाया याते साधित तें सूसात्या साम्याहिं न हे ही मानन मिन हो । वियाहान यःश्रेवाश्वराञ्चेश्वरश्रे विवायःहे विवृत्वर्क्षवाश्वर्क्ष्यश्वर्यः स्थ्रुयः त् सेसरात्रे दे नवर में साधेत्रे । दे सूर अर प्राप्त प्राप्त मुनरावित हैं। | ने मे अप्यायसाधित ले अप्यान स्वास्ति। | हे सूम सूर्याय पान पन या लूरे. भूरे. य. यम्माया. यद्र. ही र. र्से । भ्रे अ. हो य. या त्या से भ्रे . यथा लूरे यः भ्रेः नानानानाने निर्देश्वा येत्र यः भ्रेः नानि है व्हर्मन्नाना यः यथित वया गुःषःश्रेवाश्वःसःस्रेदःसःषःत्रेःत्रवाःद्वदःत्वदःखदःखदःद्वशःसरःवर्हेदः मात्रसमारुद्राद्रमात्रयानवे सळद्राहेदाग्री सुमावहेदासमाने ज्ञा है प्या बेन्ने। त्राष्ट्रमाववुदावाउवान् इसायमाहेनावा बेन्यावनेदामदावीः रें नें हममानर वर्ष्यूर है। सुरस्दे सर्वेद या वर्षे सूर हो ज्ञा मी रें नें प्र थ्वायदेख्यादिवायायावेषायाची ध्रिम् रेवेंद्राची मुखार्थेषायायाथः तुर पर्दे से द परि व सूद ग्री खुय हे द द प्र सुर त त्या सर व हे द प बस्यारुट्यान्यानियाळ्याके नित्रान्या कुर्येटार्टी । हि.क्रे.स.स्यार्थे र्अस्रिअप्यत्र्राचारुवायायहेवाहे स्वापम्हेवावादेवायाम्हेश यू खुदेः अर्चे त्य अर्थुः खुदे ह्युः गुः अे दः अितः ह्ये न्य द्युद्धः ह्ये। ग्वव वयः यमिते अञ्चयः सेम् रायाप्ताप्त स्था में मुं स्था से मुं साथितः ८८.स.क्टर.र.लर.इ.लर.चस्वा.ध.स्री.स्री. यह.स्रू.चरवा.केट.की.वी.वा. श्चित्रवा भेत्रपदे भेत्रपं केत्र इस सम्हिना सदे खुयात् रवस्य मार्वे। नन्गिकिन्धे हो हो निया सेन्दी सेन्यकिन्दि सक्ष्रिया सेन्यका दवायः विवा यश्रः दवायः विवा भ्रेटें विशः हाः विदे क्षेताः यदे वे ः श्रावशः यवेः सेससायर्श्विषायरा हो दाया धीता हो। । सूर खेते सार्वे त सूर खेते हुए ग्रु येद्रायावित्रः भ्रेष्ट्रायाञ्च वात्र्यायवे च्रेष्ट्रायाप्त्रः स्वतः च्रीः वात्रव्यवे साधिवायाया धेव वस्रा देवे हैं रहे सूर बस्य उद निवानी र स हुय परे हो ज्ञा न्राध्वायासेन्यासेन्यासेन्याचेन्। यन्यास्यास्यास्यासेन्यायाः यात्रे स्वा सेत्रात्रयात्र सेवा वी तत्र्यात्र तत्रुट तास् त्रेते हे या पर त्युर है। यदे सूर हिंद सूर खंदे राजें व के से द राजवाय हुं , व दे सह दे हो ज्ञा ८८ विष्याया हेत् ही। येटायायायायायायीयायीयायीयायीयायीया वःश्वाश्रामानवित्रः राष्ट्रिं स्वरे हो ज्ञान्दरः स्वरम्भा सेदासवे से से वर्देरःनरःवशुरःर्रे।।

ने भूरत प्यान नित्त क्षिया का सूर साम स्थान स्था हे से जिर्मा के निर्मा के निर्म के निर्मा के न उगानि पदी उसामी अप्पेर्स सुरासगुरि सूसाना नदेन हे हिंद दे सूद दु हु नन्धित्याशुःसन्। नः भ्रीयार्थि। कुःषयार्देवःद्यायार्विःवरःवन्नयानुः श्चेरिवेशश्चाना इयायरहिंगायामहेशायशा गुरायारियासरा द्यर्थान्दर्भः भ्रेत्रायाः विद्यास्याः सम्प्रायः । विद्यर्थान् । विद्यर्थान् । विद्यर्थान् । विद्यर्थान् । विद्य यनेवे भ्रेम ने क्षेत्रेय होत्रीय के अस्ति विकास में मान डेदे भ्रेम् हिंद्र या हे या या येदा सूर्यायाया वि वि देवे या देवा या स्वीया हा नःयःश्रेष्यभःमःश्लेषःहै। विनःसरःग्रःनःदरःविनःसरःग्रेदःसदेःदरिषःसेः अःश्वनःभःवे देवे नद्याकेदःदरदे त्यकः श्वरः नवे अळव केद्रे शेष्ठः शेष्ठा बेर्पिते हिर्देश्वरार्पित्र स्थान्य स्थानिति । दे हिर्देशहरसा धेव्य स्थानित्र धरः ग्रुः चः द्रदः वर्षे वाः धरः ग्रेदः धरेः ग्रेः च्रावाः वीशा द्रवावाः धः देः वाहेशः वः धरः दान्ते : ज्ञान्यायः विवार्धे दायाया धेवावया वेया श्रुप्तरायग्रुरावया वन्तराम यराद्यायम् वाष्ट्रेशमें यराद्यायम् भ्री वासे द्याप्तरा गुवः

ह्नि पुरक्षे भ्रे पार्या से द्वी । दि स्व स्वस्य पारा या या से स्वस्य पारा स्व ज्ञयः नवे ने विंत्र ने प्यामान्त के मार्था या से मार्था प्याप्य विवास मार्थित विवास र्शेवायायार्श्वेयाययात्री निर्मान्यस्थित्यार्थान्यस्थि ।ने स्वायाय ब्रिन्शीशाद्रिन्सदेन्द्रिन्द्रेन्द्रिन्द्रीत्वीयार्त्रेन्द्रुयान्त्र्यस्यान्द्रि । वायाने दें तरे प्रशास्त्र में प्रशास के प्रस्ति हो । यह स्वर्थ । यह स्वर ने महिरावेश वु राज्य से मारा र्से सार्श । । माय हे निर्देश से दे रे से नरा ग्रीसालुग्रासादे सुनामासे रुप्ता दें त्राचया नरावगुर रे सूसामाया वर्रे हिर्ग्रेश वेश ग्रुप्य श्रीम्थ प्रार्श्वेश श्री । पावर प्यत् वेश ग्रुप्य थ र्शेग्रयायायात्रे मान्द्राक्षेण्या भी र्स्ट्रेद्रानसूद्र नि । देवे सी मार्क्र स्था सी सुर सूसाराया कर्मसाधीत्रायावेत्रात्रायासेत्रात्रास्त्रीत्रास्त्री । हेदे मुर्गित्र्यार्थर्भ्यायाया देवायाययार्द्रयायावेयानुगायार्थेवाया यःश्रेंशःश्री।

त्रुवः संत्रे स्थूराया। यदे स्थूरावेश श्रुवः त्या स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वय

धेव वया देवे छेर हिंद छेश ग्वर हैं न निर्देव से जनर विश्व हिर सर गुन्तिं अर्थे वित्र निष्ठा निष्ठा शसून यार्थे निष्ठा से निष्ठा निर्मे निष्ठा ग्वितः यदर भे सर्दुर संस्था वस्त्रुर यः से ग्वासः से र सर वयः वरः वशुर्विरविष्ट्रिरदेशग्राद्रगृद्धितः हु विश्वात्त्रस्त्र न्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रा नदे मक्षेता में विदे हो र सूस्राया वहे ना हे त न वितर् न सूर हा दर्गे श वेश ग्रुप्त र्श्वेर भे विंद दुः कुद्र सम् श्रुवे । दे व्रुप्तराय वेश ग्रुप्त य र्शेवार्थायाचे सह्यासूर्या स्ट्रीयार्था वार्थाने सूराविते हैं में यार धेव मारे के त्वीं या द दि द हे त्वीं या श्रूका माला व निरामा इका मा डेशः गुःनरः श्रुरः र्रे । देः पदः देः वेशः गुःनः देः द्रेग्रेग्रशः ग्रेशः नश्यः नर्दे।। इस्रायाने यादाधीता स्रुस्राया धादाद्या यस विसा हु स्यामा स्री सामा स्री सामा स्री सामा स्री सामा स्री सामा स्री नः र्रें राश्री दियार धेत सूस्राया हो या से वाराय है राश्री राश्री राश्री यारःलरःवेशः ग्रुः नः वः श्रॅम्थः नः इसः यरः व्योवः यः वे विंदः त् कुतः यरः श्चर्य । नश्चर नर्डे अप्यार्शे ना अप्याय नहे व स्व अप्वे अप्याय स्व या अप्याय स्व क्रेंशराशकी ग्रेंगशर्रेर्द्रस्य यहेत्य प्राप्त वेंग्राय योग्राय ग्रेंग्राय वें नवाः कवाशः विवासः सेन् प्रदे न् शास्त्र वा विवेशः श्री

ने नमारे मामारामा श्रामित स्थान वर्ष माने में माने स्थान स्य

इयाययानहरायायां वित्रही ये सूटायायायटान्यायर हो याया स्वाया धरःहेवाः धर्याञ्चीः वहवाराः धार्विः व ववावाः धरः देवाराः हे देवाराः धरा दुरः र्रे वेश ग्रु नवे मार्के पार्के विष्य हे हिरे भ्रिम् हे से मार्केश यदे हे राया से दाय हो मार्चे वर्षे दाया से वर्षे स्था से वर्षे स्था से वर्षे से स्था से वर्षे से से से से से स दरायम्यायानवे हे याया येदायवे श्रिम्में वियानु नवे मार्चे । नहम्याया रास्राधित दर्गे वारा पदी । विश्वा चुर्चा वार्श्व वार्षा वार्ष्व वार्षा वार्ष वार्षा यदे सुराहेना यदे हेरा यसासासहरसाय वेरा गुराय सेना साम यहीया है। हैंनाय है द है अप या धेव वें। । ना ब्राम्य या शेंना अप यदे खु अप यदे त्या देशस्त्रस्याशरार्वित्राधेद्रार्धश्वेशस्त्रम् स्राह्मस्य । विष्ट्रस्य विया हे त्य कु न्दरक्रेव त्य स्या त्यक्ष हे क्रे नक्ष यावव की न्यन्यो विषय हेर्द्रि । इत्रेड्रिरख्याह्र्यायदे हेयाययाया स्वायाया उदाधेद सूयाया वा नन्द्रा इस्रायर नेसारा दसासूर न धीत हे हिंगा स्राप्ते तरि ठेगाना इसामरागर्हेरामरा होरामही । गा बुग्रसाया सँग्रसारे १ सुर तुरि है। रदःरेग्'रादेः धेरा र्ग्यापर्राच्यक्षे क्रायाद्यवः वेग्'रु'या बर्ग्यो वर्गेमायर हो दाव हो दाय में व्या हो रामार्के दाय हिंदा हो दारे विश्व हा वर 到天:美川

नह्रम्यारायादाधेदारादे दे द्रम्यायास्य देवार्या थी। यहि से त्यास्य म्या ह्रियाः संस्थान्य विश्वास्य विश्यास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास् र्शेनार्थाः र्श्वेर्थः श्री । श्रीनार्थः प्रदेश्वेर्थादे । यद्वाः व्यार्थे वार्थः या बुदः देश । बूट नवे कुस्र शुं शुं ट नवे ह्वा या या श्रेवाश मवे दे ने नदे शरी वे कुर शुराधराश्चरका उदाया केंग्रिका याव्य शुक्रा यह ग्राका यादा धेदाया दे। वर्गेवार्वे हिःक्षरः वहवारा लेखा वलदः या धरः दवाः धरः दे। वि छेवाः वःरेःदर्शःग्रुशःषदःद्याःधरःवःश्चेःश्चेदेःवेशःग्चःवःषदःद्याःधरःवेशःग्चः नवे के नायने वर्गे ना मवे हो ज्ञा प्येत हो। ने वे ही मायन् या ह्या हिया है या हिया है या ह धर्भे भे में किया हु निष्ठी वर्षे भूत र् निष्ठ र मित्र से भे में किया निष्ठ यःधेवःर्वे।।

स्वायान्तराख्यान्तराख्यान्तराष्ट्रीत् । विश्वायान्तराख्यायाः स्वायान्तराख्यायाः स्वायान्यायान्तराज्यायाः स्वायान्तर्यायाः स्वायान्तर्यायाः स्वायान्तर्यायाः स्वायान्त्रयायाः स्वायान्त्रयायाः स्वायान्यः स्वायान्त्यः स्वायान्त्रयायाः स्वायान्यः स्वयायाः स्वायान्यः स्वायान्यः स्वायान्यः स्वायान्यः स्वायान्यः स्वयायान्यः स्वायान्यः स्वायान्यः स्वायान्यः स्वयायान्यः स्वायायः स्वयायाः स्वयायः स्वयायः स्वयायाः स्वयायः स्वयायः स्वयः स्

ग्राबुग्राओर्परिटें में हिर्पेष्ठ वेश क्रुयाम्य प्रवृत्ते वेश ग्रुप्ता प्यतः नर्हेन्यर दुर्दे। । नक्कु लेगा य द्रेश से मार लेगा सेन्य ने य ग्राच्यार्थाः ग्राम् सेन् स्ट्राम् स्ट्राम् सेन् स्ट्राम् स्ट्राम् स्ट्राम् स्ट्राम् स्ट्राम् स्ट्राम् स्ट्राम वश्चरात्रमा देख्रराश्चरात्रमात्रेयायार्थेषायायार्थेष्यार्थे। विदेख्रयार् ग्वित भी न्वर है । श्रूर श्रूर न न वित थें न न वित्र श्रूर न न वित्र श्रूर भी न वित्र श्रूर श्रूर भी न वित्र श्रूर श्रूर भी न वित्र श्रूर श्रूर श्रूर भी न वित्र श्रूर श् र्ने हिन् हे शा तुः निरे क्षेया दे विर्ने विर्ने विष्य सुन यो हिन या दे साधिद है। ने द्धयाद्दे स्थानानितर्त्रानामानित्रे द्वित्रार्त्ते स्थान् न्यायान्यवे द्वित्रार्ते स्थान् न्यायान्यवे स्थान् स्थान ग्रा ब्रग्थ से द : सदे : दें : हे द : हे या ग्रु : नदे : के ग्रा : वदे दे : दें द : व्रा : व्र : ग्री : व्रा : र्रे । प्रशन्दरप्रज्ञशन्तुःद्वाहिः सूर् । इस्रायर पाद्रशादेश नुः प्रायु । यद्। । नश्रयामान्ने व्यथान्ता व्यव्यान् । न्याने न्याने वे व्यव्यामा धीन प्रदे ध्रिरःहे ः ध्रूरः श्रूरः यः यविवः इस्यः यरः यवस्यः यरः रेग्रयः यः याधिवः वे स्रूयः यः वर्रे धिव हैं। अर्वेद न सेवि क्षु न त्या वेश ग्रु न त्या श्रेष्य शास्त्र है वर्षे भूद र्। दर्भार्सिने हिंद्रिनि वित्रे अर्वेद्राया सूरा द्वारा स्वराम स्वाव अर्था अपीव ही। ने 'ग्रान' में अ'हे 'सून' अर्वेन' न' ने दे 'अर्वेन' न' ख' प्यन' नहेत 'त्र अ'ने 'हे 'सून' वर्चर्यान्त्रः है क्षेत्रः यो वेषार्थः यो निविद्या वर्षे संस्था वर्षे संस्था वर्षे संस्था वर्षे संस्था वर्षे स रात्यानहेत्रत्रभाने पाहेशाह्यास्यान्यात्रभान्याने वे श्रिम् वस्रभाउन्हे क्ष्र-भूट-विव वावया विय गुन्य सेंग्य सः भूर में रेन्य य रुव लेश शुम्पर प्रमालेश हो । विष्ठ विषय हो । शुम्पर हो । शुम्पर हो । स्वम्पर हो । शुम्पर हो । स्वम्पर हो । स

हैंगायश्यकेरश्यायावेगश्यक्षादे। हिःसूर्भूरायायवेदार्वेद वेश ग्रुप्त भूषा भर्षे । दे हिन् ग्री श वेश ग्रुप्त वेश स्र प्रस्व प्रायश प्र स्रम्भे प्रमानम्भायाः स्राम्यायाः स्रम्भे प्रमुक्षि । वर्षे प्रमुक्षियायाः र्श्वेतायी अरव हेट अरव त्यावी वेवा अरव आ वर्षे त्याव हेट अरव वर्षेत्र मःसद्दर्भे विश्वानुन्तरः श्रुर्भे । यादः दुः वर्षे दशः विश्वा वर्षे रः वर्षेः नर्डें तर्रार्सि । नर्डे दश्याया ब्रम्सान स्रुत्या सहित्या दे शुःश्रुस्याया या नन्द्रा वर्डे अः सूर्व वद्यायया द्रायत्य अः तुः अवितः पवेः श्रुवा या हेवेः रम्यविव उव श्री भ्राउव में छिन में । यदी या श्रुवाक हे वे सम्यविव श्री भ्रा थॅर्प्यश्वेशक्षेत्राद्वरायराश्चरमें । विःसहर्पेनेवेदा र्देशमेंर वहें त'रा सासुरा पर से वा नर सह द के दारें। |हे क्षेर वे ता न नद रा रेयाग्रीयार्थे।।

देशयान्याद्योशयाद्येश्व नश्चर्याद्ये । वश्चर्याद्ये श्वर्याद्यात्ये श्वर्यात्र विश्वर्यात्र विश्वर्य विश्वर्यात्र विश्वर्यात्र विश्वर्यात्र विश्वर्यात्र विश्वर्य विश्वयत्य विश्वर्य विश्वयत्य विश्वययत्य विश्वयत्य विश्वयययात्य विश्वयत्य विश्वययय विश्वययय विश्वययय विश्वययय विश्वययय विश्वयययय विश्वययय विश्वयययय विष

नर्दे । श्रु-निन्न्यास्यास्यास्यास्या । वियान्यास्यास्या वस्यारुट्य हे हे सूर सूर राज्य विदानस्य स्यार्थ राज्य या है। देवे ही राज्य या गुरुअ'रादे'सेसस'८८'सेसस'यस'तुर'रार्ट्वे'यहग्रस्दे'ह्स'रा'ठह' हैंना संप्यर है । क्षूर क्षूर या निव निव निव स्थित के लिया है। के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के दे सु तु : धेव : त् : बद : ब्रेंद : वेंद्र : युद्र : विस्र श : युस्र : येंद्र : से स्र श : द्र : से स्र श : द यश्चित्रान्यस्थर्भार्ट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स्प्रेट्स् याश्रुद्रश्रस्त्रुर्याया ने द्रापायकेट विते कु हिन्दु है दि हिन्द ह्र स्थायायाट गैर्भाग्री विष्यान्त्री निष्या स्त्री हेर्र्, वेश चुर्च खूर्चा अर्दे। । रेर्चा ग्रम् वेश चुर्च खर्से वास संस्थितः ये दुर गुरु रावे क वर्ते हिन्या राय नर ग्रेन हैं। । हे दे भ्री स्र यम् वे स्थापीव वे वा वरे व्हर ने निया से न प्रवे श्रिम में विया के ने व्हर न नःनिवेत्रःत्रित्रे प्रेत्रः भूग्राश्चर्याशः भूग्रायः भूग्र क्रशः विवास संस्थित संदेश

मुरायराद्यायरामाधीतालेखा यराद्यायरादावकेरावराद्याय वक्रेट्र न न विवर्धे । वक्रेट्र न ने सुग्रम क्रिया वर्षे ग्रम्भ विवर्षे । से द्रम इस्रश्राणी त्रापापार हे सूर सूर न न विव र पर्दे र दें विश शु न पर्दे हे क्षरक्षरायर गुःक्षे वर्ते क्ष्मा धेराय इसमा ग्री त्राया है। दि क्षा गुर लर.श्र.श्रह्मर्ट्र। जिर्शक्षिश्च म्या श्रीया ग्रह्म विश्व श्रिया सर्दे । वर्र ह्यायर वर्षेयायर हो दारे। वेदाय ह्याया ही त्याय है। यद्या हुया ग्रीयाग्राम्यानिष्यायम् स्रीति हेया निष्यानिष्या निष्यानिष्या निष्या ग्रेन्यन्वायर्वे । देवे श्रेन्यूय्यायाया न्यन्याया वेयाया स्थाया सेन्याया सेन्यायाया सेन्याया सेन्यायाया सेन्याया सेन्यायायाया सेन्याया सेन्याया सेन्याया सेन्याया सेन्याया सेन्याया सेन्याया से यन्ता । इस्रायन्तरस्य स्थार्थेत्यासुम्यहेत्यासेन्यवे द्वेरासे । दिः व'गविव'विग'र्धेरश'शु'गर्डेन'यर'त्रेन'यर'त्र्युर'र्रे श्रुश्र'या थेर्श शुःगार्डेन् प्रमः होन् पानावन प्यमः वेश हानाय सँग्रासः सूर्य स्री । स्रोनः रायादी हो ज्ञा के प्यटा से दाय साही सूर पर्दे दा कवा साया से वा साय केटा नर-व्यायाष्ट्रर-धृना-नर्यायाळें या लेयायदे नर्वे न्याया से न्यायायायाया ने निर्देश्य स्वर्षेत्राची हे क्षेत्र स्वाप्त स्वर्ष वा के सामित्र विकास के स्वर् यःश्रेवाशःसशः वर्रासर्त्र्याः स्ट्रिम् स्ट्रिन् स्ववाशः यःश्रेवाशः यः प्रदेन् दरावरावरावकुरावासाधीतात्रसावीता वन्वरामा वर्देराळवासाया श्रीवाश्वास्त्र स्वाप्तस्यायाळे शालेशायदे न वेत्राया श्रीवाशायामा यश्रावकेरावाद्याचरावादावेगाः विषाः विदान्य विष्याः म्बेम्यास्त्रे स्ट्रिं स्ट्रि

बूट न य दे वे य गु न य रें न य य रें न य य ये या य य ये या य ये या य य ये या य *য়ৢ*८ॱढ़ॸॕॻॺॱय़ॸॱढ़ॹॖॸॱॸॕॱय़ॢॺॱय़ॱख़ॱॺॗॸॱॸॱॻऻॸॱऄढ़ॱय़ॱढ़॓ॺॱॻॖॱॸॱख़ॱ र्शेग्राश्चर्यार्शे । विवेश्चिर्द्रम्भरीवेटेरेनेवित्याधित्रसूर्यायाया नन्दाम वर्षामधी दर्षामें साधिव मदे हिम्में । महिसाग्र प्रदेश र्ये साथित्र प्रदे श्रिम में बिया शुप्तम प्रस्ने ग्राया विष्य प्रदेश प्रदेश प्रस्था विष्य श्र नदी महिसादरायर्सामान्यसार्सी ।दे विसाद्यानदे दर्देसार्सि विदेश्वीरानेशामा के विश्वात्वा देशायरामा बेमाराने वृत्याता व्यात्वा व्यात्वा विदेश ने। श्रम्भून वे ने याया र्थे व न प्रवर्ग न उव धोव प्रवे श्री मारे व श्री मार्थि । र्वे उवा वी अ दर्रे अ से हे खू न न विव म सूद वादवा अ शु वे देवा अ प्र अ शे रुट्टे बेशन्य नर्य मार पेतर में ने कें तर ने वेतर मान्य कें ब्र-दे ब्रू-प्रवेत-र्-प्र-रे देश-प्र-से वेत-र्रे वेश-तु-प्र-रे विश्व-तु-र् दशःच-१८:द्री।

देन्यस्थान्यस्थान्त्र स्थान्यस्थान्यस्य विष्यस्थान्त्र स्थान्यस्थान्त्र स्थान्यस्थान्त्र स्थान्यस्थान्त्र स्थान्यस्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्यस्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्यस्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्

मर्वेद्रास्य है। दुःस्रसाद्रेसार्था मुडेमा से से सुः है। इसे सुः सार्था र्श्वाशास्त्रान्त्राश्चारायश्चन्त्राच्चेत्रात्ते । दिःश्चन्त्रान्त्राच्चात्रायश्चा देः क्षान्याम् वियान्यायार्थेनायाययायह्नासून्यम् नेत्रेन्ते । नेत्यायर्मम् यम् बेर पा बेरा शुप्त दे प्रदेश में वि में जिल्ला से में वि स्पर्ध वि से में प्रति से प्रति से प्रति से में प्रति से प्र क्षेत्रसेत्रमन्ने नर्देशसु नेषास्य पात्र व्यव वित्रस्त सस्य ग्रामसे पार्वेत् व्या बःसूर्ग्याराहे सूरासूरायायवेदासेरायसारेदे से राहिरार्दे सार्वेदे रे वॅर्स्सर्वित्रम् लेवारा वे र्देवा से दाया प्रसेया वर्षे वा वर्षा वर्षा प्रशासेन्यम् होत्यायनयः विषाः हुः बदःहैं। । ते व्हानमान्यः विष्टिः विष्टिः र्देर-वर-वृद्धे-स्रुस्र-धवे-वस्य-धन्दर-ध्व-वस्य रूट-ध्र-कवास-ध्य-धे-विगान्ता विश्वान्यायार्थेग्यायारार्भेयाते। देवाग्ययानम् वरादी गिया हे सूर्यादि त्यापर वस्र राउदासे द्वीर कि राउदा स्वाप्त रावस्य स्वाप्त रावस्य याधीत्रत्यावेत् सूनादिग्यावेयात्रानायार्थेन्यास्क्रियार्थे । विदेश धेरक्र प्रम्थयम् भेरक्ष्य विष्य ग्राम्धेरक्षु व्या

र्श्रेवार्थाः श्रेर्था । वर्ष्काः विवाः यः करः यः से दः दः दः दः दः वाः यरः वयः वरः वर्गुरर्ने विश्वास्थ्य रावर्गुरावश्व देखें वादादे वेश ग्राम र्सेश है। कु व्यानित्रे त्यकारी क्या ताता कुष्टा ही माध्या कुरालु वा ही का थी. नदे श्वाने गहे गायर श्वेंद्राच प्येन हैं। विदे स्थायर द्रें गवे श्वेराच वद या गरमी के सेसस उदावेस ग्रामित दिसारी वर्षेर महिश्चेर यरत्र्वारावेशन्तरश्चरत्री हिल्हरत्र्वारेषा वन्तरा यश <u> ५८१६व सेंद्र स्वरंदि ५ ५८५ वि सेंद्र स्वरंदर हें व सेंद्र स्वरंदर सेंद्र सें</u> न्नरागीशायह्या छे त्वा नल्या हे सूराश्वराना निवालें। विवालें वर्रे कर् सर्हे सूर वशूर है। भे वशूर न हैर हैं लेश गुनि के न केंग में। हे सूरक्रा कर् पर से प्रमुद्धार के रासूस्र माला वर्ते न न कुर् प्रसाविता न वार्सिनायामार्स्स्यास्त्रीयार्थे। । नादानी के दिस्यासी विदेश स्वीति स्वी र्वेरिष्ठिर्त्वाम्बर्यायारेवे के वर्ते हे सूराह्मायर व्यूरावेया ग्रायर सूर र्रे । हे सु तु विवाधिव सूस्रायाया वन्तराया वस्रवास यदि वर्रे वर्षे सर्वेद्राच हित्र से प्येत्र है। ज्ञाद्र या स्थान्य स्थान्य हित्र से द्रिया स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान नश्चेम्रअस्पर्धेन्यनेत्री वसम्राग्यस्यनेननेन्यस्य अर्वेन्यस्य सेर्यस्य हें दे से देश रास्त्र वा स्थेय रास्त्र के वि

ने नश्च न्या विश्व विश्व न्या विश्व विश्व विश्व विश्व

र्वेन श्रुयामा वर्ने भूम वेश ग्रुपाय सेंग्याय श्रुयामा श्चर्या । ने संपीत न् स्वापत में में हिन सेन सम्भान वि त्या बस्य राउन नहेत्रत्रा क्षेत्राचि प्रदेश्य म्याचित्राच्या सर्दिरशुस्राग्नी:र्द्धन्यस्यानीनेम्सरित्रान्त्रम्भूनःर्दे ।हेःस्नुनुःविमासूसः याया नहमार्थायिदिनियान्ने वायि वियानुनार्श्वेयाने। दे सूरासूराना वेशः ग्रु:नवेः श्वः वे ग्वाचेग्रयः प्रद्रान्ते व हे त हे श्वे श्वः वेशः ग्रु:नवेः श्वः ग्विः ग्वः प्र शुर्वराद्यराद्या विदे ह्र स्यायराद्ये वायदे श्रेम द्रेश से ह्र स्याय दे से हेन्सेन्निव्यु प्रम्हिस्सून्य्यायावेग्यानुस्रिंगहे। वस्रयाउन् सिंद्येत्र पाले या द्वित्र विया द्वारा स्थान स्य वस्रकार्या वस्त्रकार्या वस्त्रकार्य स्त्रकार्या विष्या । निर्देशार्या हित्रा विष्या सूसारायानहेत्रत्रा भे सार्वे त ले सातु न हो यह र पर है । तुःविनाःश्रुस्रायाय। यदःद्रनाःसरःश्लेष्टायःस्रेन्यायःस्राप्त्रेत्रःसःविसात्रःतः र्श्वेरास्त्री । यादायी सामितास्त्रीयात्या सिर्दर्शसामी सामितास्त्रीया र्शे हि.के.बे.यी यक्ट.ता क्रुयाक्ट.म् विश्वासराक्ष्यायराक्षायहाक्षा नःयः वे वस्य राउद्या हो व सः हे व्यू रायदा से सुदः नशा वादःयः देव वाववः लिस्यानर्हेन्या वियानुग्नायार्थेम्यायार्थेस्यार्थे । वियानुम्दर्गाणेता यरःश्चानःवेशःग्वःनःयःशैग्राशःयशःवे विदेत्तस्यःयरःवग्वेदःदै।

नाया है 'डे वे 'ड्री र 'इस सार हिं सा

नारमी अप्लेखा क्रें अर्थे । हिं प्हुं तु अप्लेखा इयाय प्राप्त विश्व क्रियं के प्राय्य क्ष्य क्ष

यदः वर्ते । विश्वास्त्र वर्ते । विश्वास्त वर्ते । विश्वास्त्र वर्ते । विश्वास्त वर्ते । विश्वास्त्र वर्ते । विश्वास्त्र वर्ते । विश्वास्त्र वर्ते । विश्वास्त्र वर्ते

तदे द्वयायर त्यो वाया या विद्या यु त्य त्य विद्या यु त्य विद्या विद्या यु त्य विद्य विद्य यु त्य विद्य यु त्य विद्य यु त्य विद्य यु विद्य यु विद्य यु विद्य यु विद्य यु विद्य विद्य यु विद्य यु विद्य यु विद

श्रुसाराया नन्दाया नभ्रयायाम् सामेदार्यात्रास्य स्त्राची साम्यास्य स्त्राची सामेत्रास्य स्त्राची सामेत्रास्य स् नरःळट्'सेट्'पर'येग्रारायर्'नर्झेसरायरावेरानु'न'दिरेरावे'पुर्देरः र्रे द्रशायेष्यश्चरान्द्रभ्रव्यश्चरान्दरम् व्यव्यव्यस्य नर्झें अरुपान्दान्य स्ट्रिस्य स्ट्रि नह्रवःयःक्षेत्रःत्रुन्वस्रवःहि । पावर्यः स्राचरायादःयः व्यायः ययः हे। यावर्यः अन्यान् विना हैन्या स्थापेव ह्वा न्या विना हेव द्या स्थापेव गुन ने प्रदेग हेन भर्र प्रदेग हेन एया प्रम्य सम्बर्ध । । नयस শ্রীমারী দ্বিনামমান্ত্রুমার মৈমাতর প্রমমাতর শ্রীনমমানবি খ্রেমা यश्याप्यराद्यायराद्यश्याद्ये भ्रिम्भी। सर्द्धर्यासेन्न्, वर्तुमाने। वर्ते। स्रमः धें तः हतः श्रुवः वें मः यो वः मवे रहेवः धेवः मवे श्रुमः ने नवेवः या ने या वा रान्दरअव्यायिः सेस्रारुव विवायाव प्यत्से निर्मायाव सासु सुरानी शेसशरुव नस्य उर् भी शासकेंद्र पर देश परि भी रही । विदेव पर वशुराने वसाद्यापायमा स्वाने वसाय वदारी विवासरासद्यापि स्वीरा र्रे। १८८ वेश ग्रु.च वे रेस रामाव्य र मुर्ग रामे। म्यून र स्वाद रे नससमीससीम्बाराधितरायाधितर्हे। विदेशकीर्स्य मार्ग्यसम्बार्धिक्षा हे नर नर्देर मण्डेत हैं।

न्द्री क्या स्ट्रा स्ट्री विष्य स्ट्रा स्ट्री स्ट्

अन्द्राचन्द्री । दे स्थाय धेव व के या या देवा यो अदिव या है अ बेव या अ इयायानवियावेयान्द्रियान्त्र्यान्त्र्यायान्त्र्या । देवे सुराळेया वयया उत् ग्री सुरावेश मुन्य सूर्याया वर्ते ना वस्र रहन हेरा मुन्य या र्रे व्याय स्थित र्शे । दे नया द इसाया वदे त्या दे भू देया गुनवे भू दे त्या सुन हें दाया ग्रीः र्कें ग्राया वेया ग्राये क्षेत्र डेदे हिर्कु हेर्षे प्रेय सूत्राय प्राचनित्रा वहेवा हेत्र य प्राचित्र हेत् वर्देरविना हेत्र या द्रावहिना हेत् वा सावद्र सावि के साह्य सार्श्वेन सा वहैना हेत या न्रावहैना हेतायशावन्या यदे के या बस्य उन् वें या य नवित्र: र. १ । वर्ष: १ अव्यः वर्षः वर्षः ग्रामः । विराद्युमः नदेः भ्रिमः र्रा विदेशने के शामी भुने शाम विश्व मानि में विदेश में के दिन में में विश्व में में विश्व में में विश्व में में होन्नि । शुरुक्षे होन्य सेन्य स्थानिक्ष्य है स्ट्रिम्य प्रें नित्र निर्मा ग्रीश्राधियामाग्रीयाग्री हेवाबेशाचाश्रुयामात्या यन्तरामा हेवाग्रीपर्देशा र्रे ते ग्रुव नह्या अ सर्वे वे अ नु न म कुर में विय है है सूर सूस्र म या नन्द्रमा देखादह्यायार्षेत्रसम्बद्धमार्थीद्विद्यायादह्यायाहेत्यमा रास्री नेशायहैया हेत यान्दायहैया हेतायशायन्शायवे धेंता हता इस्राया व्यायम् । विवे श्रिम्मे पार्यास्य स्यायम् पात्रयाने संस्ति हिन प्येत स्रूयः

नस्रवःहैं। । धेरःदेवाःस्रयःवेः लेयः द्वादेः श्वेरःयः श्वर्यः स्वर्श्वयः स्वर्श्वयः स्वर्श्वयः स्वर्श्वयः यानश्रूवार्ते । वाराया अधिवासंदे श्रूपारे वा विवासी शादी । विवासि न्ग्रेयायिम्ग्रावाष्ठ्रवा । यदयनावेशक्षाम्यायम् श्रुम्मे । यिवः हर्ने दें के दें के दें के वा अर्द्र हिर दे प्दें कर्द्र न स्था महत्र द्वा के वा क्या धरःस्यानः इस्रान्यस्य ग्रीसःस्री हिनः परिः क्षेत्रान्ता विश्यस्तु स्रादेः नस्नान्यस्य स्वराहेव भी केंगा प्राप्त नस्नान्य म्या निर्मेव प्राप्त निर्मेव नि सर्देव'सर'नेश'स'दर'ळद'सेद'स'दर'स्रेवश'दर'श्रदश'क्वश'ग्री'ळेंशस' वर्रेश्यान्तर्रे नमुन्यार्शेषाश्यार्थे । हिन्ने वहेत्रस्थश्रे न्यवानमः गहरम्बर्भारे दर्भे त्यार्थे ग्रम्भार्ये मित्रामा दर्भे द्वार्थे द्वार्थे । द्वित्रामा दर्भे द्वार्थे द्वार्थे । कवाशः इस्रशः ग्रें केवा ख्यावः ग्रुं श्राह्म वादः यः हिवा यादः हित्रः सेद्रासः स ८८.चर्चा.क्ष्योश. इस्रश्रास्थ्रश. सरायाहत्र या उट्टा संस्तृ सार्वे शाद्यु सरा र्सर्गुर्दे।

भ्रे. लेश. तत्ते। क्रियाश्च अवतः त्या क्ष्म श्चर्या व्या स्वरः व्या विश्व क्ष्म स्वरः विश्व क्षम स्वर

इस्रासाश्वस्तारु ने साधित वे निकास स्वास्त स्वास्त स्वास स्वस्त स्वास स्वस्त स

यित्रभाराभावि पर्याप्त सम्बन्ध । यादायी सिन् वर्दे नश्रमानीश्रामे विनामानेवे निमानुमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमा वित्वते अगामी खुवानु वित्यू राष्ट्री । दि स्वराञ्चा वित्ये वित्या श्री निर्देषाया । वेश गुःश्रुय पाया दे यथ गुर कुन से समार्मिय हमा वेश गुःन या र्श्रे वार्थः यात्रवः क्षेत्रार्थः वस्त्रवः हे। क्षेत्रार्थः यउदः यः विदः तुः कुदः यरः श्रुदे। शिस्र रहतः संस्थिति स्त्राचानाः स्वापाना स्त्रास्त्र स्त्र वेट्टी वैज्ञारासु नडट्टा इसराई दार्गे नर सुनसादे है से स्रापर यार्सेग्रामार्येद्रमास्त्राम्यूर्वे । श्रुयामित्रम्भेदेशसक्तर्ते निर्मास्त्रमा सर्र्राच्यूश्वरावर्ष्ट्रा कृषांवरायरिषाहेत्यास्यायरिषा विश ग्रुम्यासँग्राम्यार्स्स्रियास्। विदेवि विया ग्रुम्यादे । भुःलेंद्रशःश्चेंद्राक्षःचवेःसळ्द्रःहेद्रःशेद्रा

रान्दा केंशक्षेत्रपायाकेंग्रामाये सहनामरायायह्या परासहना क्ष्म श्रुवायायराने न्दरवर्गन्य सहंदर्गे । डेवे श्रुवायरे साथ्य वर्ष ग्री: भ्रु: भिर्व: ए: अर्रेर: नश्या उद्दर्श्वरा व्याप्त स्वाप्त स्व यःश्रेवाश्वास्थात्ते स्टाश्वर्थाः कुशान्दानुदाः कुनःश्रेश्वशान्द्रवादान्दा श्रेः र्शेतिः क्रें ने निर्मा वित्ते । वित्ते प्रकृषा के न परित्र क्रिक्त के न पावितः यस्य नवर में दिर हुर नर नवेद वस्य नविद स्या दे हुर है सूर नविद यदे द्वाराया यदेव यहिया द्वारी वित्रा के हे या पार्टी प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र बेद्राडेश्राच्याद्यद्वारायराष्ट्रीश्रानीय विश्वाराधेद्रायावित्वदिःश्रुवाद् नमसमायो । हे विवा गुःस्रुसायायान विदाया ग्रेवायायहे वायाये सा <u>न्यावाश्वाद्यः धेन्। विवाश्वास्य विस्ताश्वी द्विवाशः विद्वास्य न्यावाशः</u> यदे भेराया पराद्या पराद्या पराद्या पराया भेराया विवाद स्था दे निवन्तुः प्यतः निवासः स्थितः सः प्यतः । प्यतः निवासः निवन्तुः स्थूतः देशस्य । বশ্বশ্বশ্বশ্বশ্বশ্বশ্বশ্

न्ते श्रेन्हे शर्ते त्राम्य वावत न्यामी श्रून न र्षेन्य श्रुम्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

क्षे किं तें उगा मी पर्दे द पादे दें द यद्या मी अ ये या अ पर या हद या पादे द है। दे नश्चिर क्षेत्र मान्य विवाधिर नर से मुस्साया नन्दाया हैं ब्रुट १३ साया राम १५ दिने १ श्रुस १५ । अदस मुर्ग दसस १५८ । याम्यया ग्री नेयाम्या व्यादेश्याम्या विष्टा ग्री नेयाम्या विष्टा नेयाम्या विष्टा ग्री नेयाम्या विष्टा नेयाम्या सूररे विवार्विवायी । स्रिकाराका क्षेत्रायिका यावका या इसका ग्री किका र्यायार्थेश्वर्याय्यारित्यीः नेयार्यार्स्टित्यी । नेययादार्से श्रुरा नःक्रमः कुरः नदेः श्रेम् विष्ठः ग्रेन्द्रं नद्रन् नद्रन् न्या मे अव्येन् अर्धः महत्रायः यन विदार्ते विद्यान हें न्यादी क्र उदान वु खुस्र या के या से सूस्र नु से स्र यदें। हि क्षे परिं र नर निवयाय परि क्ष क्षे देवे हि र हे वे हि र हे वे हि र वर्से गुःश्रुस्रायायावन्तरा विवस्ति विवस्ति विवस्ति विवस्ति । वेश ग्रुप्त श्रेंश श्रें। विश्वेषित में उपा शेषि के नामि वशा देवे श्रेम सूर नशके वहिनाशसूस्र न् सेस्रास्त देवे हिन् सेना ग्रह ने न प्राप्य न धेवा विश्वानुन्यः र्रेश्वार्या हि से में ग्रायान निर्मात्या प्रमुद्रा स्था विश्वार्या । विश्वार्या विश्वार्या विश्वार्या । विश्वार्या विश्वार्या । विश्वार्या विश्वार्या । विश्वार्या विश्वार्या । विश्वार्या विश्वराय । विश नवे हे या पार्ये द्या शुः श्वराधर नुर्दे श्वया रुषे ये ये विश्वे या निवे या गहेत्र न वर में दर हेर र गयत्। विश्व गुर श्रेश श्रेष

यद्यायाः ने । विश्वे । यत्रेयायाव्य । विश्वे । यद्यायाः विश्वा । विश्वा ।

वेशः शुः नरः वर्गुरः व। नन्दः ध। श्रेंशः धः श्रेदः रु: बेवः वः प्याः। । रनः हः ब्राचित्राचित्र । विषान्न विष्यान्य ब्रुम्मे । विषेत्रिम्से स्यान स्रोत् स्रुस याया देवे विमययाय वर्षे द्वस्य श्रीया विषा चात्र से याते हे सूद्र षरः रवः वर्ते र शेस्रा उदः वारः द्वा सर्दे से वे के वा व निरा हे से दुः वर्दे त्या के अक्षान्दराना चिना खंका प्यदा हु दाया दे । द्या दे । क्षा कु का नक्कु क्रॅंटर्र्अयायम्बेर्यन्त्र्यस्त्रियः विटा यह्याम्यायम् स्रेंटर्र्अययः न्वो नदे हन् मुन्य धेव वेश वश्चर्य सम्भन्ते । सूर न में र हे पर न्यायास्त्रिंद्रा में सम्यास्त्रिंद्रा स्वीत्रास्त्रिंद्रा स्वीत्राः गरेगान त्यूराने ने स्याधीन न ने। स्टानशक्ष्या शहिराय ने से सारा वनवः विमाः तुः सः बदः श्री दयः नः वर्षे रः सवदः देदः सरः मारुयः । नदेवः सः यिष्ठेशः इस्रायमः मुद्रे। या द्वारायम् मुद्रेशः द्वार्थः या स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर नर्भे नदे भी नदेव मानिका वेश वेश वा ना वा का मानिका विश्व ने या श्वेदारी वे सद्या क्या या वें या खूदा पद्या धीदा वें।

यदेव'म'गिरुश'इस'मर'यदोद'मिय'देशेय'र्स्सेन'दर्भेव'वे'न' वर्क्षेश्रसहंद'म'र्ह्सेम्थ'र्से॥॥

कृ'नारःश्री'स्राह्मं 'स्रक्ष'त्रा ह्वं'न्याक्ष्मं 'त्रा वि'केव'श्री'र्थे' कृ'नाराश्री'स्राह्मं 'स्रक्षां प्रस्थानक्षुरः हिटःविश्वाहे 'नाह्मं 'त्रास्यास्य।